बुधवार 20 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05:52 बजे
सूर्यास्त सांय 16:58 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 साझेदारी और बराबरी से ही टिकेगा आधुनिक विवाह

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 305 | गाजियाबाद, बुधवार 20 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

जिस ट्वीट से 'ईसी' को घेर रही थी कांग्रेस हो गया डिलीट

● सीएसडीएस के संजय कुमार ने खुद हटाया, ईसी से माफी भी मांग ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव विश्लेषक और लोकनीति-सीएसडीएस के कोऑर्डिनटर संजय कुमार ने महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट पर सवाल उठाने को लेकर माफी मांगते हुए अपना पुराना

ट्वीट डिलीट कर दिया है। संजय कुमार के इन आंकड़ों का सहारा लेते हुए कांग्रेस चुनाव आयोग पर आक्रामक थी।

राहुल गांधी ने कई बार संजय कुमार के इस ट्वीट का जिक्र कर चुनाव आयोग पर निशाना साधा था। अब संजय कुमार ने माफी मांगते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़ों की तुलना करने में गलती हो गई थी। संबंधित ट्वीट डिलीट कर दिया गया है। संजय कुमार ने कहा कि डेटा टीम से आंकड़ों का अध्ययन करने में गलती हो गई थी। हमारा उद्देश्य किसी तरह की गलत जानकारी देना नहीं था। संजय कुमार के माफी मांगने के बाद बीजेपी को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। बीजेपी ने कहा कि यह एक 'ईमानदारी वाली गलती' थी। बीजेपी के आईटी चीफ अमित मालवीय ने कहा, हर चुनाव में यही होता है कि पहले कहा जाता है कि बीजेपी हार रही है। वहीं जब बाजी पलट जाती है तो इस बात पर चर्चा शुरू होती है कि बीजेपी आखिर कैसे जीत गई। यही लोग किसी तरह समझाते हैं कि बीजेपी कैसे जीती। उन्हें लगता है कि टीवी देखने वाली जनता मूर्ख है।

उन्होंने कहा, सीएसडीएस ने बिना जांचे-परखे ही आंकड़े पोस्ट कर दिए। इससे कांग्रेस को महाराष्ट्र में प्रपंच गढ़ने का मौका मिल गया।

'मैक 5' की गर्जना भारत को बना देगी अब अजेय

चीन की उड़ेगी नींद, थर-थर कांपेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की हवाई ताक आने वाले वर्षों में विश्व को हैरान कर सकती है। यूरोप का सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा प्रोजेक्ट फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम अब भारत के द्वार तक पहुंच चुका है। फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की संयुक्त पहल से विकसित यह छठी पीढ़ी का युद्धक विमान भारत की सामरिक स्थिति को पूरी तरह बदल सकता है। यदि भारत इस प्रोजेक्ट में 'सहभागी देश' के रूप में शामिल होता है, तो यह पाकिस्तान सहित पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी रणनीतिक चुनौती बन जाएगा। साथ ही, भारतीय वायुसेना को एक और शक्तिशाली हथियार प्राप्त होगा। यह विमान केवल एक फाइटर जेट नहीं, बल्कि एक 'सिस्टम ऑफ सिस्टम्स' होगा। इसमें नया लड़ाकू विमान (न्यू जेनरेशन फाइटर वी कॉम्बैट) के साथ-साथ मानवरहित ड्रोन (रिमोट कैरियर्स) भी होंगे। ये सभी कॉम्बैट क्लाउड के माध्यम से रियल-टाइम में जुड़ेंगे और सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। अर्थात, यह योद्धा आसमान में अकेला नहीं, बल्कि पूरी सेना के साथ उड़ान भरेगा। मैक -5 को छठी पीढ़ी का विमान माना जा रहा है, जो मौजूदा पांचवीं पीढ़ी के विमानों (जैसे एफ-35) से कहीं अधिक उन्नत होगा।

बी सुदर्शन रेड्डी बनाम सीपी राधाकृष्णन हुआ मुकाबला

रिटायर्ड जस्टिस को विपक्ष ने बनाया उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

सुप्रीम कोर्ट में जज रह चुके, अब एनडीए प्रत्याशी से जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दोनों 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है।

सब-इंस्पेक्टर रिचा की मौत में नया खुलासा, कार से कुचले जाने से गई जान

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

25 वर्षीय सब-इंस्पेक्टर रिचा सचान की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच में यह माना जा रहा था कि सड़क पर अचानक आए कुत्ते से टकराने के कारण वह बाइक से गिर गईं और सिर में चोट लगने से उनकी मौत हो गई।

लेकिन अब पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उनकी मौत केवल गिरने से नहीं बल्कि पीछे से आ रही कार की चपेट में आने से हुई।

अडिशनल पुलिस कमिश्नर भास्कर वर्मा ने जानकारी दी कि घटना रविवार देर रात करीब 2 बजे की है।

रिचा सचान कवि नगर थाना क्षेत्र से ड्यूटी समाप्त कर घर लौट रही थीं। इस दौरान उनका स्कूटी एक लावारिस कुत्ते से टकरा गया, जिससे वह सड़क पर गिर गईं। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक कार उन्हें कुचलते हुए निकल गई।

हेलमेट पहने होने के बावजूद उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी हालत नाजुक हो गई।

पुलिस टीम उन्हें तुरंत सर्वोदय अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी इस बात की पुष्टि हुई है कि रिचा की मौत पीछे से कार की चपेट में आने से हुई है।

रिचा कानपुर की रहने वाली थीं और 2023 में यूपी पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर भर्ती हुई थीं। वह वर्तमान में शास्त्री नगर चौकी की प्रभारी थीं।

पुलिस सेवा के साथ-साथ वह यूपीएससी परीक्षा की तैयारी भी कर रही थीं। परिजन ने बताया कि अगले साल उनकी शादी की योजना बनाई जा रही थी।

गाजियाबाद पुलिस लाइंस में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद परिवारजन उनका पार्थिव शरीर पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

यह दर्दनाक हादसा एक बार फिर लावारिस पशुओं और लापरवाह वाहन चालकों से जुड़ी गंभीर समस्या को उजागर करता है, जिसे रोकने के लिए प्रशासन पर कड़े कदम उठाने की मांग की जा रही है।

रहिए तैयार ! अब स्टेशन पर ही तौला जाएगा आपका सामान

● लिमिट से ज्यादा हुआ तो देना होगा 6 गुना तक एक्स्ट्रा चार्ज ● रेलवे लाया नया नियम! इसी वर्ष से लागू करने की है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन रेलवे की तरफ से एक बड़ा अपडेट आया है, जो आपके सामने से जुड़ा है। दरअसल अब रेल यात्रियों को लगेज के मामले में भी सावधान रहना होगा, क्योंकि एयरपोर्ट की तरह ही रेलवे भी यात्रियों के सामान की जांच की नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत रेलवे स्टेशन पर चढ़ने से पहले आपका सामान तौला जाएगा। इतना ही नहीं यदि आपका सामान तय सीमा से ज्यादा वजन वाला निकला तो आपको अतिरिक्त चार्ज भी देना पड़ेगा। भारतीय रेलवे का नया लगेज सिस्टम चालू वित्तीय वर्ष में लागू करने की योजना है। इसके तहत प्रयागराज जंक्शन, कानपुर

सेंट्रल, मीरजापुर, अलीगढ़, टूंडला समेत मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रवेश और निकास गेट पर इलेक्ट्रानिक वजन मशीनें लगाई जा रही हैं। बता दें कि एसी फर्स्ट क्लास में 70 किलो और एसी टू में 50 किलो तक सामान ले जाने की अनुमति होगी। वहीं स्लीपर और एसी थ्री में 40 किलो, जबकि जनरल में केवल 35 किलो तक सामान ले जाने की इजाजत होगी। अगर यात्री इस सीमा से अधिक सामान लेकर चलते हैं और पहले से बुकिंग नहीं कराई है, तो 6 गुना तक जुर्माना वसूला जा सकता है। सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि यह कदम यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों में भारी-भरकम लगेज पर नियंत्रण रखने के लिए उठाया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल वजन ही नहीं, बल्कि आकार भी जांच के दायरे में रहेगा। यानी यदि बैग हल्का है लेकिन जगह ज्यादा घेरता है, तो भी अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ सकता है। अब श्रेणीवार लिमिट की बात करें तो ऐसा इसलिए तय किया गया है ताकि सीटों की व्यवस्था के अनुसार ही सामान रखा जा सके।

पूर्व, पश्चिम और दक्षिण तो साध लिए, अब उत्तर की आ गई बारी

बीजेपी ने शुरू कर दिया 'खेला', अध्यक्ष नार्थ से ही बनेगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन होगा. फिलहाल इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से जब इस सवाल का जवाब पूछा जाता है, तो वे कहते हैं कि अध्यक्ष तो बीजेपी का ही होगा। फिलहाल नाम नहीं बता सकते। लेकिन अब चर्चा है कि बीजेपी का अगला अध्यक्ष 'उत्तर' से हो सकता है। अब सवाल उठता है कि उत्तर से ही अध्यक्ष क्यों होगा, तो आइये जानते हैं इसके पीछे की सियासत। दरअसल, रविवार को बीजेपी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए साउथ (तमिलनाडु) से आने वाले ओबीसी के बड़े नेता सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है। सहयोगी दलों ने भी राधाकृष्णन को समर्थन किया है। राधाकृष्णन इस वक्त महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। अब सबकी नजर इस पर है कि पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा। सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी में ही इस सवाल का जवाब छिपा है। बीजेपी के नए अध्यक्ष में क्षेत्रीय संतुलन का ख्याल रखा जाएगा। ठीक उसी तरह, जिस तरह सीपी राधाकृष्णन के चयन से पार्टी ने क्षेत्रीय संतुलन का ख्याल रखा है। मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा उत्तर भारत से हैं। अब चर्चा हो रही है कि नया अध्यक्ष भी उत्तर भारत से ही होगा। इसको लेकर कई कयास भी लगाए जा रहे हैं।

भारत को फर्टिलाइजर और रेयर-अर्थ मेटल देगा चीन

● जुलाई में इनका निर्यात बैन किया था, अब खोलने की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन भारत को खाद, रेयर अर्थ मटेरियल और टनल बोरिंग मशीन की सप्लाई करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक चीन के विदेश मंत्री मंत्री वांग यी ने भारत के

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को आश्वासन दिया कि इन जरूरतों को पूरा किया जाएगा। वांग यी 18 अगस्त को दो दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। उन्होंने सोमवार को जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बातचीत की थी। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाने और सहयोग बनाए रखने पर सहमति जताई।

मूसलाधार बारिश से 'पानी-पानी' हुई आमची मुंबई

● सड़कें डूबीं, घर-दुकानों में भर गया पानी, लोकल ट्रेन सर्विस डाउन ● 250 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में मंगलवार को तेज बारिश जारी है। पिछले दो दिनों में बारिश से जुड़े हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में रेड अलर्ट है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि नांदेड़ में बादल फटने से 8 लोगों की मौत हो गई। सेना रेस्क्यू में जुटी है। करीब 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मुंबई में करीब 300 एमएम बारिश हुई है। मीठी नदी का जलस्तर घट रहा है। हालांकि, अभी भी कई इलाकों में अलर्ट है। सुबह मीठी नदी का जलस्तर 3.9 मीटर बढ़ने के कारण कुर्ला क्रांति नगर एरिया से 350 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। शहर में आज भी स्कूल-कॉलेज, गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ रही हैं। अंधेरी सब-वे भी पानी भरने से आज भी बंद है। कई अंडर ब्रिज में 4 फीट तक पानी भरा है।

लोकल ट्रेन सर्विस भी प्रभावित है। हार्बर लाइन का ट्रैक पानी में डूबा हुआ है। कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें लोग रेलवे ट्रैक पर चलते नजर आ रहे हैं। इधर, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात 1 बजे बादल फटा। तेज बहाव में 3 दुकानें बह गईं। सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

● **सीएम फडणवीस बोले- करीब 500 लोगों का रेस्क्यू हुआ-** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि नांदेड़ में बादल फटने से आठ लोगों की मौत हो गई। सेना रेस्क्यू में जुटी है। करीब 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया। उन्होंने बताया कि मुंबई में करीब 300 एमएम बारिश हुई है। मीठी नदी का पानी घट रहा है। कई जगह अभी भी अलर्ट है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पिछले 4 महीनों में बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है।

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 बनीं राजस्थान की मनिका विश्वकर्मा

● 48 सुंदरियों को पछाड़ जीता ताज, इनका स्टाइल है कमाल

जयपुर (एजेंसी)। मिस यूनिवर्स बनने का ख्वाब बहुत- सी लड़कियां देखती हैं, जिसके लिए वे सालों-साल मेहतन करती हैं, तो अब राजस्थान के गंगानगर की लड़की का सपना सच हो गया है। 18 अगस्त को जयपुर में हुए मिस यूनिवर्स इंडिया फिनाले में मनिका विश्वकर्मा ने देशभर से आई 48

ब्यूटी क्वीन को पीछे छोड़ ताज अपने नाम कर लिया। अब वह थाईलैंड में होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता की तैयारी में जुट जाएंगी, तो अब उनकी खूबसूरती सबका ध्यान खींच रही है।

बाइक के पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरी में चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित महामाया कुंज में रविवार रात चोरों ने छत के राश्ते बाइक के पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरी में उतरकर लाखों रुपये का सामान चुरा लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। वसुंधरा सेक्टर पांच निवासी मानव जैन की लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित महामाया कुंज कॉलोनी स्थित बाइक के पार्ट्स बनाने की फैक्टरी है। उन्होंने बताया कि फैक्टरी में बाइक के चेन कवर और मरगार्ड बनाए जाते है। वह फैक्टरी को दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर रहे थे। जिसके चलते फैक्टरी का अधिकतर सामान दूसरी फैक्टरी में भेजा जा चुका था। चोरों ने रविवार रात फैक्टरी की छत के राश्ते उतर कर टीवी, कंप्यूटर, इनवर्टर वेल्डिंग मशीन और कॉपर वायर के आठ बंडल चोरी कर लिये। सुबह फैक्टरी पहुंचने पर उन्हें चोरी का पता चला। उन्होंने बताया कि घटना फैक्टरी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। सीओ ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। सीसीटीवी फुटेज की सहायता से चोरों की तलाश की जा रही है।

स्कूल के बाहर नो-पार्किंग जोन बनाने की मांग

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। वसुंधरा सेक्टर 14 में जैपुरिया स्कूल के बाहर सुबह और दोपहर को स्कूल की छुट्टी के वक्त लगने वाले जाम से लोग परेशान हो रहे हैं। इससे निजात दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने यातायात पुलिस अधिकारी सच्चिदानंद से मिलकर ज्ञापन दिया है। संगठन के जिलाध्यक्ष प्रीतम लाल का कहना है कि स्कूल के समय सुबह और छुट्टी होने के वक्त स्कूल के बाहर आधे से एक घंटे तक जाम की स्थिति रहती है। यह वसुंधरा का प्रमुख मार्ग है और यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। स्कूल से सड़क तक कई कार व बसें खड़ी हो जाती हैं। इस दौरान एक वाहन के निकलने की भी जगह नहीं होती। ज्ञापन में इस इलाके को नो-पार्किंग जोन घोषित करने की मांग की गई है। साथ ही यातायात पुलिसकर्मियों को भी तैनात किए जाने की बात कही गई है। इस दौरान राजकुमार सिंह राणा, इतेश पोसवाल व राजवीर सिंह समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

घर में घुसकर महिला से लूट का प्रयास

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के बह्मपुरी कॉलोनी में रामोत्तार पत्नी रेखा के साथ रहते हैं। उनका आरोप है कि सोमवार दोपहर घर में घुसे दो बदमाशों ने रेखा को दबोच लिया। आरोपियों ने गले पर धारदार हथियार लगाकर जेवरात और नकदी लाने के लिए कहा। इसी बीच रेखा ने शोर मचा दिया और बाथरूम में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी भाग गए। महिला ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही।

समझौते के लिए घर बुलाकर महिला को पीटा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के फरीदनगर निवासी चांदनी ने बताया कि मानकी निवासी अबरार से 100 गज का प्लॉट लिया था। प्लॉट को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा। आरोप है कि अबरार ने सोमवार को समझौते के लिए चांदनी को अपने घर बुलाकर मारपीट की। डंडा मारकर पीड़िता का सिर फोड़ दिया। किसी तरह महिला पुलिस चौकी पहुंची और तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि महिला की तहरीर पर अबरार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। उनकी तलाश की जा रही।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के निवाड़ी में सोमवार रात महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला का शव कमरे में पड़ा मिला। परिजनों ने गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मेरठ की खुशहाल नगर कॉलोनी में रहने वाले इस्लामुद्दीन ने तीन साल पहले बेटी अफसार का निकाह निवाड़ी निवासी आरिफ के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज के लिए अफसार को प्रताड़ित किया जाता था। इस्लामुद्दीन ने बताया कि सोमवार रात अफसार की मौत की सूचना मिली। वह निवाड़ी पहुंचे तो अफसार का शव बेड पर पड़ा था। उन्होंने दहेज की मांग पूरी न होने पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

झालावाड़ हादसे के बाद किसान ने छोड़ा पक्का घर, बनाया स्कूल

झालावाड़ , एजेंसी।
झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में एक गरीब किसान की कहानी आज पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। बीते महीने हुए दर्दनाक हादसे में पिपलोदी स्कूल की जर्जर इमारत गिर गई थी, जिसमें मासूम बच्चों की जान चली गई। हादसे के बाद प्रशासन ने स्कूल भवन को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, लेकिन इसके बाद गांव के सामने बच्चों की पढ़ाई का संकट खड़ा हो गया। सवाल यह था कि अब बच्चे कहां पढ़ेंगे? इसी बीच गांव के एक साधारण किसान ने ऐसा कदम उठाया जिसने सबको हैरान कर दिया। गांव के आदिवासी भील समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मोर सिंह खुद निरक्षर हैं। खेती-बाड़ी कर जैसे-तैसे परिवार का गुजर-बसर करने वाले इस गरीब किसान ने शिक्षा का महत्व भले खुद महसूस न किया हो, लेकिन वे चाहते थे कि गांव के बच्चे उनकी तरह अनपढ़ न रह जाएं। जब उन्होंने देखा कि स्कूल की बिल्डिंग नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई बीच में रुक सकती है तो उन्होंने अपने पुश्तैनी पक्के मकान का दरवाजा बच्चों के लिए खोल दिया।

जिस घर में उनका पूरा परिवार रहता था, उसी घर को उन्होंने स्कूल चलाने के लिए शिक्षा विभाग को समर्पित कर दिया। मोर सिंह का कहना है कि शिक्षा विभाग कब नया भवन बनाएगा, कब बच्चे फिर से सुरक्षित कक्षाओं में बैठ पाएंगे, यह कोई नहीं जानता। लेकिन बच्चों की पढ़ाई में रुकावट न आए, इसलिए उन्होंने यह कदम उठाया। खुद और अपने आठ सदस्यीय परिवार को उन्होंने खेत के पास लकड़ी और बरसाती तिरपाल से बनी टापरी में शिफ्ट कर लिया। पक्के मकान से झोपड़ी में आकर रहना आसान नहीं था, मगर मोर सिंह ने इस बलिदान को बिना किसी हिचक के स्वीकार किया। गांव के लोग बताते हैं कि मोर सिंह का यह निर्णय अचानक लिया गया लेकिन इसमें गहरी सोच छिपी थी। उनका मानना है कि बच्चे अगर शिक्षा से दूर हो गए तो गांव हमेशा पिछड़ेपन का शिकार रहेगा। गांव में पढ़े-लिखे लोगों की कमी है और अशिक्षा ही गरीबी और बेबसी की सबसे बड़ी वजह है। इसी सोच के चलते उन्होंने अपनी सबसे बड़ी पूंजी–अपना घर–गांव के बच्चों के लिए दान कर दिया। 25 जुलाई को हादसे के बाद से ही पिपलोदी के लोग चिंता में थे। कई अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने में डर रहे थे। जर्जर भवन गिरने की तस्वीरें और उसमें दबे बच्चों का दर्द गांव के लोगों की आंखों के सामने ताजा था। लेकिन मोर सिंह के इस कदम ने एक नई उम्मीद जगा दी। उनका घर अब बच्चों की पढ़ाई का केंद्र है। दीवारों पर अब पाठ्यपुस्तकों की गूंज सुनाई देती है और बरामदे में मासूम बच्चे मिलकर पढ़ते हैं। इस गरीब किसान के त्याग को जिला प्रशासन ने भी सराहा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में मोर सिंह को सम्मानित किया गया। मंच पर जब उनका नाम पुकारा गया तो पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि उस सोच के लिए था जो शिक्षा को सबसे ऊपर मानती है। गांव के लोग कहते हैं कि मोर सिंह का यह कदम आने वाली पीढ़ियों को हमेशा याद रहेगा। यह सिर्फ मकान देने की बात नहीं है, यह शिक्षा के लिए किया गया ऐसा बलिदान है जो किसी भी इंसान को प्रेरित कर सकता है। एक निरक्षर किसान ने अपनी संवेदनशीलता और दूरदृष्टि से पूरे गांव को यह संदेश दिया कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है।

इंसानों के दिमाग को खा जाता है खतरनाक जीव, 9 साल की बच्ची की हुई मौत; अलर्ट जारी

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
केरल में इन दिनों ब्रेन ईटिंग अमीबा से संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। केरल की सरकार ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है। दरअसल हाल ही में इस खतरनाक जीव ने केरल के कोझिकोड में कई लोगों को अपना शिकार बनाया है। इससे संक्रमित एक 9 साल की एक बच्ची की मौत भी हो गई है। जिले में स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से सावधानी बरतने को कहा है।

जानकारी के मुताबिक बच्ची को शिकार बनाने के अलावा और भी कई मामले सामने आए हैं। दो मरीजों का कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने पुष्टि की है कि एक मरीज वेंटिलेटर पर है। स्थानीय चिकित्सा अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि लोगों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है। अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस एक तरह का संक्रमण है जो अमीबा नाम के जीव के कुछ रोगाणु द्वारा फैलता है। यह जीव इंसानों के मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। चूंकि यह जीव पानी में पाए जाते हैं इसीलिए यह बीमारी आमतौर पर उन लोगों को प्रभावित करती है जो पानी के पूल या इस तरह के अन्य स्त्रोतों में तैराकी करते हैं।

अमीबा नाक और दिमाग से जुड़े छिद्रों या कान के पर्दे के जरिए दिमाग में प्रवेश कर सकते हैं। जानकारों के मुताबिक संक्रमण की स्थिति में मृत्यु दर बहुत अधिक है। हालांकि फिलहाल इसके मनुष्य से मनुष्य में नहीं फैलने के संकेत नहीं मिले हैं।

अमीबा से संक्रमण होने पर लक्षण आमतौर पर संपर्क के पांच से दस दिनों के अंदर दिखाई देते हैं। लोगों को तेज सिरदर्द, बुखार, उल्टी, और रोशनी देखने में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने सलाह दी है कि तैराकी करने वाले लोगों को अगर बुखार की शिकायत हो तो उन्हें तुरंत डॉक्टर मिलना चाहिए। लोगों को ठहरे हुए पानी में तैराकी से बचने, तैरते समय नाक पर क्लिप लगाने और स्विमिंग पूल और वाटर थीम पार्क में पानी का उचित क्लोरीनीकरण करने की भी सलाह दी गई है।

पुलिस एनकाउंटर में पीठ दिखा भागने वाले इंस्पेक्टर पर ऐक्शन, लापरवाही में थाना प्रभारी-दरोगा भी सस्पेंड

मेरठ , एजेंसी।
यूपी में मेरठ के कलेक्शन एजेंट से 84 हजार रुपये की लूट करने वाले बदमाशों की घेराबंदी में मुठभेड़ के दौरान पीठ दिखाकर भागे इंस्पेक्टर भावनपुर को लाइन हाजिर कर दिया गया है। भीड़ को देखते ही इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ भाग खड़े हुए थे। इसके बाद भी एक कांस्टेबल ने बदमाश को नहीं छोड़ा। भीड़ ने कांस्टेबल के साथ धक्कामुक्की की। वहीं एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने परीक्षितगढ़ थाना प्रभारी संजय द्विवेदी और फलावदा थाने के दरोगा योगेश गिरी को सस्पेंड कर दिया। दोनों पुलिसकर्मियों पर हत्या के प्रयास के मामले में विवेचना के दौरान लापरवाही और आर्थिक लाभ लेने के आरोप हैं। एसपी सिटी को दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

सात अगस्त को भावनपुर पुलिस ने पंचगांव पट्टी-स्याल मार्ग पर तीन बदमाशों ने कलेक्शन एजेंट से 82 हजार की लूट की थी। किनानगर के पास हाईवे पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने बदमाश प्रिंस निवासी भटीपुरा किठौर और उसके साथी अभिषेक निवासी अम्बहेड़ा साहनी किठौर, आकाश निवासी भटीपुरा और एक बाल अपचारी की घेराबंदी की। पुलिस के पीछा करने पर बदमाशों की बाइक फिसल गई। उसके बाद तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया।

प्रिंस का पीछा करते हुए पुलिस कुछ दूर आगे तक निकल गई। प्रिंस ने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में गोली प्रिंस के पैर में लगी। फायरिंग की आवाज सुन ग्रामीणों की भीड़ लग गई। भीड़ को देखते ही इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह टीम के साथ मौके से भाग निकले, जबकि लुटेरा प्रिंस मौके पर पड़ा रहा। एक सिपाही ने साहस दिखाते हुए बदमाश को नहीं छोड़ा।एसएसपी डॉ विपिन ताडा ने कहा कि थाना प्रभारी भावनपुर कुलदीप सिंह को लाइन हाजिर कर विभागीय जांच बैठाई गई है।

उधर, एसएसपी ने रविवार रात किठौर से अपराध निरीक्षक जितेन्द्र कुमार को कोतवाली थाने की कमान सौंपी।

बिहार को लेकर जारी घमासान के बीच अब ओडिशा में होगा एसआईआर

भुवनेश्वर, एजेंसी।
बिहार में एसआईआर को लेकर बीते 2 महीने से घमासान मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने एक और राज्य में यह प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर संत गोपालन ने सोमवार को बताया है कि ओडिशा में अगले महीने से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया है कि 2002 के बाद राज्य में पहली बार यह प्रक्रिया की जाएगी। गोपालन ने कहा कि नई मतदाता सूची अगले साल 7 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी।

मामले पर बातचीत करते हुए उन्होंने बताया, ÷एसआईआर अगले महीने से शुरू होगा और संशोधित सूची जनवरी में जारी की जाएगी। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार संशोधित सूची में देरी हो सकती है।÷ राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने यह भी कहा कि राज्य भर में मतदान केंद्रों की संख्या 38,000 से बढ़ाकर 45,000 की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से छूट न जाए और कोई भी अयोग्य व्यक्ति सूची में न रहे। स्ढ्ढक्र के जरिए घर-घर जाकर मतदाताओं की पात्रता का सत्यापन, मतदान केंद्रों का पहचान और गलतियों को दूर कर मतदाता सूची को सटीक बनाने की कोशिश की जाएगी।

गौरतलब है कि यह घोषणा तब हुई है जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बवाल मचा हुआ है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठाए हैं। विपक्षी दल इसकी वैधता को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचे थे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को एसआईआर के बाद मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम की सूची सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। आयोग ने नामों की सूची जारी कर दी है। हालांकि विपक्षी दल लगातार संसद में इस मुद्दे पर चर्चा कराने को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के खिलाफ बुलडोजर ऐक्शन, सरकारी जमीन पर बने चर्च को ढहाया

बिलासपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण की खबरों के बीच बुलडोजर कार्रवाई की शुरुआत भी हो गई है। बिलासपुर में धर्मांतरण के खिलाफ जिला प्रशासन का बुलडोजर चला है। शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए प्रार्थना घर और चर्च को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया है।

इससे पहले हिंदू संगठनों ने यहां प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का भंडाफोड़ किया था। तब पुलिस कार्रवाई के बाद प्रशासन ने अवैध प्रार्थना घर के निर्माण की जांच शुरू की थी। अब अवैध निर्माण को ढहाया गया है। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग इस कार्रवाई को वाजिब बता रहे हैं।

दरअसल, बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र के भरनी में धर्मांतरण के खेल का भंडाफोड़ हुआ था। यहां गांव के एक मकान में प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा था। हिन्दू संगठनों के हंगामे के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज करते हुए शामिल लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की थी। हिंदू संगठन के लोगों ने धर्मांतरण को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जिस मकान में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था, जिला प्रशासन की टीम ने उसकी जांच शुरू की गई।

जांच में पता चला कि शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर गांव की सुनीता के परिवार ने प्रार्थना घर का निर्माण कराया था। सरपंच की शिकायत के बाद जिला प्रशासन की टीम ने

पुलिस की मौजूदगी में अवैध प्रार्थना घर पर बुलडोजर चलाया और निर्माण को जमींदोज कर दिया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू संगठन, स्थानीय लोग और अवैध कब्जाधारी मौके पर मौजूद रहे। कब्जाधारी जिला प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध करते रहे, वहीं हिंदू संगठन कार्रवाई के पक्ष में खड़े दिखे। इस दौरान तनाव की स्थिति भी बनी। कब्जाधारियों का कहना था कि वे कई वर्षों से ईसाई धर्म को मान रहे हैं और यहां प्रार्थना करते आ रहे हैं। उन्होंने लोन लेकर भवन का निर्माण कराया था। वे यह भी मान रहे हैं कि निर्माण शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर किया गया था। हिंदू संगठनों के लोग जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को धर्मांतरण का खेल खेलने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश बता रहे हैं। उनका कहना है पहली बार लग रहा है कि प्रदेश में सुशासन की सरकार है और प्रदेश सरकार धर्मांतरण के खिलाफ कड़ा ऐक्शन ले रही है।

जेल में ही रहेंगे पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य, कोर्ट ने फिर बढ़ाई रिमांड; शराब घोटाले में हैं आरोपी

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की रिमांड अब तीसरी बार बढ़ा दी गई है। कोर्ट ने उन्हें फिर 14 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले में अब 1 सितंबर 2025 को सुनवाई होगी। इधर, ईडी ने चैतन्य बघेल की 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड की मांग की थी, जिस पर 19 अगस्त को सुनवाई होगी।

पूर्व सीएम के बेटे चैतन्य बघेल को इससे पहले 4 अगस्त को कोर्ट में पेश किया गया था। तब उनकी रिमांड 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई थी। इसकी मियाद खत्म होने के बाद उन्हें सोमवार को एक बार फिर विशेष कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें तीसरी बार 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले में अब 1 सितंबर को सुनवाई होगी।

इस बीच ईडी ने कुछ नए तथ्य सामने आने के बाद पूछताछ के लिए 5 दिन की रिमांड पर लेने के लिए आवेदन लगाया है। कोर्ट में कन्डोलेंस हो जाने के कारण इस पर सुनवाई टल गई है। अब 19 अगस्त को इस पर सुनवाई होगी। बता दें कि चैतन्य बघेल अभी रायपुर के केंद्रीय जेल में बंद हैं।

जन्मदिन पर ईडी ने किया था गिरफ्तार

ईडी की टीम ने चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को उनके जन्मदिन पर भिलाई स्थित निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी की जांच एसीबी-ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है।

आरोप है कि शराब घोटाले से प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ। करीब 3200 करोड़ रुपए की अवैध कमाई शराब सिंडिकेट से जुड़े लोगों तक पहुंचाई गई। चैतन्य बघेल को भी शराब घोटाले में रकम मिली है। इस घोटाले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। ईडी की इस कार्रवाई को लेकर प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं ने काफी हंगामा भी किया था।

ग्रेटर फरीदाबाद में बसेंगे 12 नए सेक्टर, कई गांवों की जाएगी 4500 एकड़ जमीन

फरीदाबाद, एजेंसी।
ग्रेटर फरीदाबाद में 12 नए सेक्टर बसाने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इन सेक्टरों के लिए नहरपार क्षेत्र के गांवों से करीब 4,500 एकड़ जमीन की मांग की गई है। मास्टर प्लान के तहत जिले के 9 गांवों को चिन्हित किया गया है। इन गांवों के किसान 31 अगस्त तक ई-भूमि पोर्टल पर अपनी जमीन स्वेच्छा से देने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्मार्ट सिटी में अभी तक ग्रेटर फरीदाबाद में मास्टर प्लान 2011 के तहत करीब 88 सेक्टर विकसित किए गए हैं। मास्टर प्लान 2031 के तहत बिल्डर काफी जमीन खरीद रहे हैं, जहां पर भविष्य में वह अपनी सोसाइटियां विकसित करेंगे, लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से कोई नया सेक्टर विकसित नहीं किया गया है। मास्टर प्लान में शामिल सेक्टरों के लिए जमीन खरीदने की यह पहली पहल सरकार की तरफ से की जा रही है। इससे लोगों नए सेक्टरों में अपने आशियाने बनाने का मौका मिलेगा। इसके लिए प्राधिकरण की ओर से 9 गांवों को चिन्हित किया गया है। जमीन खरीदने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद एचएसवीपी द्वारा सेक्टरों को विकसित करने का

काम शुरू किया जाएगा।

फरीदाबाद में मास्टर प्लान 2031 में शामिल 12 सेक्टरों को विकसित करने की योजना है। इनमें सेक्टर 94 ए, 96, 96 ए, 97 ए, 99, 100, 101, 102, 103, 140, 141 और 142 शामिल हैं। इनमें सेक्टर 100 एक कमर्शल सेक्टर है। सेक्टर 96 ए और 97 ए पब्लिक व सेमी पब्लिक यूज के लिए हैं, जिनमें सरकारी विभागों के कार्यालय, शिक्षण संस्थान व अस्पताल आदि बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा अन्य सभी नौ सेक्टर रिहायशी सेक्टर हैं। इन सेक्टरों के लिए कुल 18 गांवों की 4500 एकड़ जमीन को खरीदा जाना है। सेक्टर 140, 141 व 142 बल्लभगढ़ की तरफ पड़ते हैं। इनके लिए सोतई, सुनपेड़, साहुपुरा, मलेरना व जाजरू की जमीन खरीदी जानी है। यह सेक्टर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे लिंक रोड व जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए बन रहे इंटरचेंज के नजदीक हैं। बाकी सभी सेक्टर तिगांव विधानसभा क्षेत्र में आते हैं, जिनके लिए गांव खेड़ी कलां, नचौली, ताजापुर, ढहकोला, शाहबाद, बदरपुर सैद, भैंसरावली, फत्तुपुरा, भुआपुर, जसाना, फरीदापुर, सदपुरा व तिगांव की जमीन को खरीदा जाना है। यह सेक्टर मंझावली पुल परियोजना व भविष्य में विकसित होने वाली एफएनजी परियोजना के आसपास हैं।

बाजार दर के अनुसार दिया जाएगा मुआवजात्न

एचएसवीपी की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि जिन किसानों की जमीन इन 12 सेक्टरों में आती है, वे जमीन देने के लिए सहमति पत्र भरकर निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा कराएं। यदि कोई किसान समय पर प्रस्ताव नहीं देता है, तो उसके लिए भविष्य की योजनाओं में भागीदारी सीमित हो सकती है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि किसानों को बाजार दर के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा और पुनर्वास की पूरी सुविधा सुनिश्चित की जाएगी।

एल्विश यादव ने गुरुग्राम वाले घर पर फायरिंग के बाद पहली बार तोड़ी चुप्पी

गुरुग्राम। , एजेंसी। यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एल्विश यादव के गुरुग्राम सेक्टर-57 स्थित घर पर हुई अंधाधुंध फायरिंग ने उनके फैन्स और शुभचिंतकों के मन में डर चिंताएं पैदा कर दी हैं। फायरिंग के बाद फैन्स सोशल मीडिया पर लगातार एल्विश यादव से उनकी खैरियत पूछ रहे हैं। एल्विश ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा आप सभी की शुभकामनाओं और चिंता के लिए मैं दिल से शुक्रगुजार हूं। मैं और मेरा परिवार बिल्कुल सुरक्षित और स्वस्थ हैं। आप सबके प्यार और दुआओं के लिए धन्यवाद। उन्होंने साफ कर दिया कि डरावनी घटना के बावजूद उनके परिवार को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग मामले में जांच तेज हो गई है। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और क्राइम ब्रांच की टीमें हमलावरों की तलाश में जुट गई हैं। एसटीएफ ने विदेश में बैठे तीन गैंगस्टरों हिमांशु भाऊ, नीरज फरीदपुरिया और सुनील सरधारनियां की लोकेशन का पता करने के लिए एक बार फिर से जांच को तेज कर दिया है। लोकेशन का पता चलते ही इंटरपोल की मदद से तीनों को देश वापस लाया जाएगा।

महिला ने की आत्महत्या, जहरीला पदार्थ निगला,परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। नगर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहाँ मोहल्ला खत्रियान की रहने वाली एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतका के पीछे चार बेटियाँ हैं जिनका अब सहारा छिन गया है। बिजनौर के मोहल्ला खत्रियान में उस समय सनसनी फैल गई जब साजिद नामक व्यक्ति की पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक साजिद की शादी 17 साल पहले किरतपुर में हुई थी। मृतका के चार बेटियाँ हैं। घटना के समय उसका पति रोज़ की तरह सुबह मजदूरी के लिए गया हुआ था। घटना की सूचना पाकर मोहल्ले के लोग आनन-फानन में महिला को लेकर सरकारी अस्पताल पहुँचे, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला द्वारा जहरीला पदार्थ खाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जाँच शुरू कर दी है।

नगीना पुलिस ने दो वांछित वारंटी आरोपियों को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। पुलिस ने वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत,दो फरार वांछित वारंटियों ो गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।उपनिरीक्षक सोहन सिंह पुंडीर ने अपनी टीम के साथ मिलकर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। गोला उर्फ सफीक पुत्र मुन्ने,निवासी मोहल्ला ईदगाह, कस्बा नहटौर व विनोद सैनी पुत्र कल्लू सैनी,निवासी मोहल्ला जोशियान, नहटौर। दोनों आरोपी वाद संख्या 1358/18 से संबंधित थे,जिसमें उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 379 (चोरी) और 411 (चोरी का माल बेईमानी से प्राप्त करना) के तहत आरोप थे। गिरफ्तारी के बाद, दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस आज

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में क्वार्सी फार्म परिसर स्थित किसान कल्याण केंद्र में 20 अगशत को अपरान्ह 12:30 बजे से किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा। उप निदेशक अरूण कुमार चौधरी ने उक्त जानकारी देते हुए सभी किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि वह अपनी समस्याओं व शिकायतों के निश्तारण के लिए नियत समय व स्थान पर किसान दिवस में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

'स्वच्छ अलीगढ़, स्वस्थ अलीगढ़' अभियान का हुआ शुभारम्भ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। नगर निगम के मिशन "स्वच्छ अलीगढ़, स्वस्थ अलीगढ़" का शुभारम्भ महापौर एवं नगर आयुक्त ने सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, मंडल आयुक्त और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ और शिक्षक मौजूद रहे। रैली को सांसद सतीश गौतम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एएमयू की ओर से समाज कार्य विभाग के शिक्षक-प्रो. मोहम्मद नसीम खान (पूर्व अध्यक्ष), डॉ. मोहम्मद ताहिर, डॉ. मोहम्मद आरिफ खान, डॉ. शाइना सैफ, डॉ. मोहम्मद उजैर और डॉ. समीरा खानम अपने विद्यार्थियों के साथ सक्रिय रूप से शामिल हुए। एएमयू के एनएसएस समन्वयक डॉ. मोहम्मद मोहसिन खान तथा जनसंपर्क कार्यालय की एमआईसी प्रो. विभा शर्मा भी उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। एएमयू के छात्र-छात्राओं के विभिन्न समूह आने वाले हफ्तों में इस अभियान के अंतर्गत घर-घर, बाजारों और मोहल्लों में जाकर नागरिकों से संवाद करेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय तैराक रैफरी की स्मृति में तैराकी चैम्पियनशिप हुई आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय स्विमिंग क्लब एवं अलीगढ़ जिला स्विमिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्व. अफजल अली स्मृति क्षेत्रीय तैराकी चौम्पियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से आए 100 से अधिक तैराकों ने हिस्सा लिया। यह चैम्पियनशिप अफजल अली की याद में आयोजित की गई, जो 1965 से 1988 तक एएमयू में तैराकी कोच रहे। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला के पहले बैच से स्नातक और एक अंतरराष्ट्रीय रेफरी, अली को एएमयू में प्रतिस्पर्धी तैराकी की नींव रखने वाले अग्रदूत के रूप में याद किया जाता है। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सूफियान अख्तर ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि आहिल नवेद उस्मानी उपविजेता रहे। जूनियर वर्ग में, ग्रुप-प्रथम में आदित्य विजेता बने और मोहम्मद अरसलान उस्मानी उपविजेता रहे। ग्रुप-द्वितीय में आहिल नवेद उस्मानी पहले स्थान पर और मुजम्मिल अब्बास दूसरे स्थान पर रहे। सबसे छोटे ग्रुप-तृतीय में अफ्फान नवेद उस्मानी ने स्वर्ण पदक जीता और आथर्व गौर उपविजेता रहे। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय खेल समिति के सचिव प्रो. एस. अमजद अली रिजवी ने स्व. अफजल अली को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे केवल तैराकी का गर्व नहीं बल्कि खेल भावना और अनुशासन का जीवंत उदाहरण थे। उन्होंने कहा कि इस चौम्पियनशिप का आयोजन उनकी स्मृति को सम्मानित करने का उचित माध्यम है।

वन विभाग की सांठगांठ से पेड़ टिम्बर माफिया बेखौफ

फलदार पेड़ों पर चल रहा आरा : उच्चाधिकारी मौन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर क्षेत्र में प्रतिबंधित प्रजातियों में शीशम व आम तथा फलदार हरे - भरे पेड़ों का अवैध कटान यहाँ बड़े पैमाने पर लगातार जारी है। जबकि प्रशासन द्वारा इन पेड़ों की प्रतिबंधित प्रजातियां होने के बावजूद क्षेत्र में नियमों को ताख पर रखकर खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उधर मामले की जानकारी होने के बाद भी वनीय अधिकारी मौन बने हुए हैं और इन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं।

मिली जानकारी के अनुसार इन क्षेत्रों में काटे जा रहे हैं अवैध तरीके से पेड़ नगीना - कोतवाली मार्ग पर, पहाड़ी दरवाज़ा, नंदपुर, काजीवाला, रायपुर रोड, फ़ॉर लाइन हाईवे, पुरैनी, कोठरा, मंझेड़ा, टोलटैक्स के निकट सहित भुरापुर, नैनपुरा सराय, छोटा किरतपुर, आदि गांव क्षेत्रों में शीशम, तुन, आम सहित अन्य प्रतिबंधित प्रजातियों के पेड़ों का अवैध कटान यहाँ जोरो शोरो पर चल रहा हैं। जिसमें वनीय दारोग़ा को मामले की जानकारी होने के बाद भी कटान माफियाओं से सांठगांठ कर क्षेत्र में हरे भरे फलदार पेड़ों का अवैध कटान थमने का नाम नहीं ले रहा है जिसके बाद स्थानीय लोगों व समाजसेवियों द्वारा वन विभाग को इसकी सूचना दी गई ।के लेकिन कटान माफियाओं के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके चलते इनके हौसले बुलंद हैं।

इन पेड़ कटान माफियाओं व उसमें लिप्त कुछ वन क्षेत्राधिकारी के खिलाफ लगातार समाचार पत्रों में सुर्खियां बनने के बाद भी इस मामले में विभागीय उच्च अधिकारियों से जानकारी की गई तो विभाग ने अपना क्षेत्र न बताते हुए किसी और क्षेत्र का मामला है इसमें हम कुछ नहीं कर सकते यह जबाव समाजसेवी व क्षेत्र गणमान्य लोगों को दे देते हैं। इसी के साथ सवाल यह उठता है कि क्या वन विभाग और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत हो रही है या विभाग जानबूझ कर इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है। देखा जाए तो वन विभाग की लापरवाही के कारण प्रतिबंधित पेड़ों की कटाई में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उधर विभागीय अधिकारी व प्रशासन अनदेखी कर मौन बने हुए हैं। अब देखना यह है कि उच्चधिकारी नगीना क्षेत्र के पेड़ कटान माफियाओं निवासी नैनपुरा निवासी ठेकेदार के विरुद्ध क्या कार्रवाई करते हैं?

रोडवेज बस - ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में दो की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गभाना क्षेत्र में दिल्ली-कानपुर हाइवे पर रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के ड्राइवर की दर्दनाक मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिए। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। मंगलवार दोपहर मृतकों के परिजन अलीगढ़ आ गए।

मौत की खबर से मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस हादसे का कारण पता करने में जुटी है। जनपद कन्नौज से रोडवेज की बस दिल्ली जा रही थी। सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे बस गभाना के पहावटी गांव के पास पहुंची थी। तभी बोरिंग के पाइप से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली से बस टकरा गई। हादसे के बाद बोरुंग मशीन वाली ट्रॉली और पाइप सड़क किनारे पलट गए। बस में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की भीड़ जुट गई। शोर शराबा सुनकर ग्रामीण मौके पर आ गए। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई।

हादसे में कन्नौज के बस ड्राइवर शरीफापुर 35 वर्षीय निवासी कमल कठेरिया पुत्र सदानन्द और ट्रैक्टर ड्राइवर 32 वर्षीय बिजेंद्र पुत्र रघुनाथ निवासी गांव पाण्डली जिला अमरोहा की मौत हो गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार घायल जय सिंह व कवेंद्र और सत्यवीर निवासी गण गांव पाण्डली जिला अमरोहा की हालत नाजुक बताई जा रही है।

भाकियू टिकैत ने पुलिस पर चैकिंग के नाम पर वसूली के खिलाफ किया हंगामा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

सिपाहियों पर चैकिंग के नाम पर अवैध वसूली तथा बदसलूकी करने का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ता देर सायं थाने धरना प्रदर्शन किया। थानाध्यक्ष के कार्रवाई के आश्वासन के बाद किसान शांत हुए।

धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं का आरोप था कि हलका नम्बर चार में तैनात दो सिपाही रोजाना फुलंसदा अड्डे पर वाहन चैकिंग के नाम पर डरा धमकाकर अवैध वसूली करते हैं। जिससे आसपास के ग्रामीणों के साथ राहगीर भी परेशान है।

उन्होंने चोरी की बताकर एक बाइक को रोक लिया। कागज दिखाने के बाद भी हठधर्मिता दिखाते रहे। किसानों ने दोनों सिपाहियों को हलके से हटाने तथा फुलसंदा अड्डे पर चैकिंग न कराने की मांग की। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने आक्रोशित किसानों से वार्ता की। उन्होंने किसानों को फुलसंदा अड्डे पर वाहन चैकिंग न कराने तथा सिपाहियों का हलका बदलने का आश्वासन दिया।

जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने धरना समाप्त कर दिया। नगर अध्यक्ष रिंकू राठी, पुनित तुषियार, विकास कुमार, धीरेंद्र सिंह, रोहित राणा, कुलदीप सिंह, प्रियांशु, नीटू चौधरी, सैंकी कुमार, मंगल सिंह आदि उपस्थित रहे। नगर अध्यक्ष रिंकू राठी ने बताया कि यदि पुलिस की ओर से वादाखिलाफी की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अवैध वाहनों को हटाने के लिए 24 घंटे की मोहल्लत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा द्वारा मंगलवार प्रातः वार्ड 69 एवं 26 का निरीक्षण स्थानीय पार्षद योगेश सिंघल व राजकुमार के साथ किया गया।

निरीक्षण के दौरान तहसील के पीछे नगर निगम द्वारा विकसित वेंडिंग जोन के सामने फुटपाथ एवं सड़क पर अवैध रूप से पराग दूध विक्रेता, खड़े ट्रक और टाटा एस वाहन पाए गए। इन वाहनों के कारण न केवल सफाई व्यवस्था बाधित हो रही थी, बल्कि वेंडिंग जोन के संचालन में भी कठिनाई उत्पन्न हो रही थी। इस पर नगर आयुक्त ने नाराज़गी व्यक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से नगर निगम इंफोर्समेंट टीम को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने साफ कहा तहसील के पीछे अवैध रूप से खड़े किए जा रहे कमर्शियल वाहनों को 24 घंटे के भीतर हटाया जाना अनिवार्य है। निर्धारित समयसीमा में वाहन न हटाने की दशा में निगम द्वारा वाहनों को ज़ब्त किया जाएगा तथा चालकों व मालिकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई भी की जाएगी। इसके साथ ही नगर आयुक्त ने प्रतिभा कॉलोनी का भी निरीक्षण किया।

जहाँ सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से सब्जी विक्रेता बैठे पाए गए। उन्होंने तत्काल निर्देश दिए कि इन वेंडर्स को गूलर रोड फायर ब्रिगेड पर बनाए गए वेंडिंग जोन में व्यवस्थित कराया जाए ताकि यातायात और सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रह सके। नगर आयुक्त ने कहा कि अवैध वाहन खड़ा करने एवं सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण शहर की सफाई और यातायात व्यवस्था में गंभीर बाधा उत्पन्न करते हैं।

नगर निगम इस संबंध में सख्त रुख अपनाएगा और किसी भी श्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दबंगों ने हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष को पीटा

फोटो नं0 108

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सम्राट लॉज के पास सोमवार रात दबंगो ने हिन्दू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष और फास्ट फूड कॉर्नर संचालक के साथ मारपीट की। बचाव करने आये उनके कर्मचारी को भी पीट दिया। वायपर, पानी की बोतल और ईंट से वार कर दोनों को घायल कर दिया।

दबंगो ने टशन और धौंस दिखाने के लिए हमला किया। क्योंकि हमलावरों ने अपने मामा को दरोगा और एसपी बताया। घटना के बाद आरोपी भाग गए। दबंगों का हंगामा दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जोकि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, पीड़ति ने इंस्पेक्टर पर आरोप लगाया कि 9 बजे तक दुकान बंद न करने पर कार्यवाही करने को लेकर धमकाया है।

जानकारी के अनुसार संकल्प विहार के रहने वाले मानवेन्द्र सिंह ने खुद को हिन्दू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष बताया है। वह सम्राट लॉज के पास फास्ट फूड कॉर्नर चलाते हैं। उन्होंने बताया कि घटना रात्रि करीब सवा 10 बजे की है। 4 नशे में धुत आये थे। उन्होंने अपना खाना-पीना किया और पेमेंट कर जाने लगे।

मलखान सिंह जिला चिकित्सालय में टीबी प्रशिक्षण कार्यशाला हुई आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी के निर्देशन में मंगलवार को एक दिवसीय टीबी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन मलखान सिंह जिला चिकित्सालय सभागार में किया गया।

प्रशिक्षण में एसटीएस एवं टीबीएचवी को टीबी उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित नवीनतम जानकारियाँ प्रदान की गईं। प्रशिक्षण का संचालन विश्व स्वास्थ्य संगठन सलाहकार डॉ. अरविन्द आकसामी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राहुल शर्मा द्वारा की गई।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को टीबी की समय पर पहचान, नोटिफिकेशन, रोगियों की सही जांच व इलाज सुनिश्चित करने व सामुदायिक श्तर पर जागरूकता फैलाने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही निक्षय पोर्टल में हाल ही में हुए बदलावों जैसे- रोगियों की रीयल टाइम ट्रैकिंग, उपचार अनुपालन निगरानी, रिपोर्टिंग सिस्टम में सरलता, लाभार्थियों को डीबीटी भुगतान की नई व्यवस्था के साथ ही नई योजनाओं जैसे- निक्षय मित्र पहल (रोगियों को पोषण, आर्थिक व सामाजिक सहयोग), समुदाय आधारित क्त-ज्ठ प्रबंधन, टीबी चौंपियन्स की भूमिका का सुदृढ़ीकरण, नई प्रोत्साहन योजनाएँ एवं निक्षय पोषण सहायता का सरलीकरण बारे में विश्तार से जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ब्लॉक व ग्रामश्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण के माध्यम से सभी एसटीएस एवं टीबीएचवी अपने क्षेत्र में और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर पाएंगे। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राहुल शर्मा ने कहा कि जिले में टीबी रोगियों की पहचान और उपचार में बेहतर प्रगति हो रही है।

इस प्रकार के प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की क्षमता में वृद्धि होती है और हम सभी मिलकर टीबी उन्मूलन अभियान को गति देंगे। डब्लूएचओ सलाहकार डॉ. अरविन्द आकसामी ने कहा कि टीबी से लड़ाई में सबसे बड़ा हथियार है समय पर जांच और उपचार। आज दिए गए प्रशिक्षण से जिले के सभी फील्ड कर्मियों को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी, जिससे रोगियों तक सेवाएं समय पर पहुंच सकेंगी। जिला कार्यक्रम समन्वयक सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को व्यवहारिक जानकारी व तकनीकी मार्गदर्शन मिलता है। निक्षय पोर्टल में हुए नवीन बदलाव और नई योजनाओं की जानकारी से जमीनी श्तर पर टीबी रोगियों तक सेवाओं की पहुंच और अधिक सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिमोट सेंन्सिग एप्लीकेशन की जिलास्तरीय कार्यशाला 23 को

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

निदेशक रिमोट सेंन्सिग एप्लीकेशन सेंटर लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया है कि उपग्रहीय चित्रों, डिजिटल टोपोशीटों एवं जनसंख्या के आँकड़े का उपयोग करके प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध समश्त प्राकृतिक ससाधनों जैसे- भूमि उपयोग, भूमि आच्छादन, मृदा भू-प्राकृतिक, लिथोलाजिकल, स्ट्रक्चर, लिनियामेन्ट, भू-जल सम्भावित क्षेत्र सतही जल, नदी, नाले, सड़क, नाले, रेल, नहर, सेटमेन्ट के कम्प्यूटरीकृत थिमेटिक मानचित्र जनपदवार तैयार किये गये हैं और इसमें आदश्यकतानुसार उच्चीकरण का कार्य भी किया जा रहा है।

इसके साथ ही जनगणना के आँकड़ों पर आधारित प्रदेश के सभी जिलों के आर्थिक एवं सामाजिक आँकड़ों का भी जीआईएस तकनीक के माध्यम से जनपदवार डिजिटल डेटाबेस तैयार किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि उक्त के क्रम में जिलाश्तर पर उपरोक्त विषयक बिन्दुओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रिमोट सेंन्सिंग एप्लीकेशन सेंटर लखनऊ के वैज्ञानिकों द्वारा 23 अगशत को अपरान्ह 12:30 बजे से कलैक्ट्रेट सभागार में किया जायेगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अनिवार्य रूप से ससमय उपस्थित होकर कार्यशाला में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

फिलिस्तीन का झंडा पहनकर छात्र पहुंचा पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनावों को लेकर छात्रों का आमरण अनशन लगातार जारी है। इसी बीच एक छात्र नेता के बयान ने खलबली मचा दी है। फिलिश्तीन का झंडा गले में डालकर आए छात्र ने बाब-ए-सैयद गेट पर जमकर विवादित बयान दिए।

छात्र ने कहा यूनिवर्सिटी का बाब-ए-सैयद गेट कब बंद होगा और कब खोला जाएगा। यह बात हम तय करेंगे। यूनिवर्सिटी के छात्र तय करेंगे कि गेट को कब खोलना है। यूपी सरकार यह नहीं तय करेगी। छात्र के बयान देने के बाद यह मामला जमकर चर्चा में है। सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। एएमयू पर चल रहे धरने को सोमवार को पीएचडी स्कॉलरों ने भी समर्थन दिया। शोधार्थी तलहा मन्नान ने यहां छात्रों को संबोधित किया और जमकर विवादित बयान दिए।

उसने कहा कि बीते दिनों कैंपस के अंदर हुए कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारियों को अतिथि बनाकर बुलाया गया है। छात्र तलहा का कहना था कि यूनिवर्सिटी कैंपस के अंदर किसी पुलिस अधिकारी को चीफ गेस्ट या गेस्ट आफ ऑनर बनाए जाने का क्या मतलब है।

सीआरपीएफ के जवानों को यहां बुलाने से क्या होगा। वह पूरी तरह से नार्मल हो जाएंगे और जब चाहेंगे यहां आना जाना करते रहेंगे। जिसके कारण छात्रों को परेशानी होती है। छात्रों को संबोधित करते हुए तलहा ने कहा कि कैंपस में पुलिस अधिकारियों को गेस्ट बनाने का नतीजा है कि यहां पर 15 दिसंबर की घटना हुई। बीते 8 अगशत को भी यही चीज दोहराई गई।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ हाथापाई की गई और पुलिस के जवान कैंपस के अंदर आ गए। तलहा ने कहा कि यह परंपरा पुराने वीसी प्रो. तरीक मंसूर ने शुरू की थी। जिसके बाद प्रोफेसर गुलरेज और वर्तमान वीसी प्रोफेसर नाइमा खातून भी इसे बनाए हुए हैं। यह तीनों ही इस बात के जिम्मेदार हैं और छात्रों के साथ होने वाली घटना के भी जिम्मेदार हैं।

शोध छात्र की बयानबाजी और फिलीश्तीन का झंडा पहनने के वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला इंतजामिया तक पहुंचा। जिसके बाद प्रॉक्टर प्रोफेसर वसीम अली ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। छात्र के विवादित बयान सामने आने के बाद आरोपी छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

हिंदू रक्षा दल की ओर से पुलिस को तहरीर देकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की गई थी। जिसका संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सीओ सर्वम सिंह ने बताया कि हिंदू रक्षा दल की ओर से तहरीर मिली थी। जिसका संज्ञान लेते हुए मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में झिंसक झड़प हुई, अस्पताल में पुरुष व महिलाओं ने एक-दूसरे को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला अस्पताल में सोमवार रात दो पक्षों में मारपीट हो गई। महिलाओं और पुरुषों ने एक-दूसरे को खूब पीटा। घटना से इमरजेंसी में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षाकर्मियों ने लोगों को शांत कराया।

सूचना पर पुलिस भी पहुंची। करीब एक मिनट हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सासनी गेट थाना क्षेत्र के कासिम नगर मदीना कॉलोनी में रहने वाले कासिम ने कहा- मेरा छोटा बेटा पढ़कर घर आ रहा था। राश्ते में उसको मनी के बच्चों ने पकड़ लिया और मारने लगे। इसकी शिकायत करने मैं अपने परिजनों के साथ मनी के घर गया।

इस दौरान मनी के परिवार वाले लाठी-डंडे और पत्थर मारने शुरू कर दिए। सिर में पिस्टल की बट मार दी। मारपीट में कासिम के अलावा परिवार के तीन और लोग घायल हो गए। सूचना पर डायल 112 और थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने घायलों को मेडिकोलीगल और इलाज के लिए जिला अस्पताल मलखान सिंह लेकर पहुंची। आरोप है कि हमलावर पक्ष ने यहां भी आ गया।

इमरजेंसी के गेट पर फिर से मारपीट शुरू हो गई। महिला और पुरुषों ने जमकर हाथापाई हुई। करीब एक मिनट तक लगातार मारपीट होती रही। मरीज और तीमारदार सहम गए। मारपीट और हंगामे की जानकारी पर अस्पताल के सुरक्षा और बन्ना देवी थाना पुलिस मौके पर आ गए। मामले को शांत कर करवाया।

ईएमओ डॉक्टर गजेश प्रजापति ने बताया कि सासनी गेट थाना पुलिस कासिम पुत्र फरीद, उसके बेटे राहिब और कासिफ को मेडिकल परीक्षण के लिए सोमवार देर रात लेकर आई थी। तीनों को प्राथमिक उपचार देने के साथ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उनके सिर में चोट आई थी।

वीसी ने जूस पिलाकर छात्रों की भूख हड़ताल खत्म कराई

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्रों की जीत हुई और इंतजामिया को झुकना पड़ा। देर रात वाइस चांसलर प्रो. नाइमा खातून बाब-ए-सैयद पर चल रहे धरना स्थल पर पहुंचीं।

उन्होंने भूख हड़ताल कर रहे छात्रों को जूस पिलाकर उनका धरना खत्म कराया। इसके साथ ही उन्हें आश्वासन दिया गया कि दिसंबर में छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे और इसके लिए कमेटी का गठन कर दिया गया है। छात्रों की मांगे पूरी होने के बाद आमरण अनशन कर रहे छात्रों ने जूस पीकर अपना आंदोलन खत्म किया। जिसके बाद छात्रों ने अपनी जीत होने पर जमकर नारेबाजी की। आमरण अनशन कर रहे छात्र लगातार बाब-ए-सैयद पर धरना दे रहे थे। उनके साथ में सैकड़ों छात्र वहां बैठे हुए थे और लगातार अपनी मांगे उठा रहे थे। सुबह लगभग 4 बजे वाइस चांसलर नाइमा खातून धरना स्थल पर पहुंची और उनसे बात की। जिसके बाद उनकी मांगों पर रजामंदी जताई गई। उन्होंने धरना दे रहे छात्र कैफ और रेहान को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया। दोनों छात्रों ने 15 अगशत को शाम 5 बजे से आंदोलन शुरू किया था, और लगभग 90 घंटों तक भूख हड़ताल पर बैठे रहे। जिसके कारण उनका वजन भी तेजी से गिर रहा था और लगातार तबीयत बिगड़ती जा रही थी।

आमरण अनशन खत्म होने के बाद दोनों छात्रों को मेडिकल कालेज में भर्ती करा दिया गया है। दोनों की हालत लगातार खराब हो रही थी और चिकित्सीय टीम उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दे रही थी। जैसे ही वीसी ने उनका धरना खत्म कराया, दोनों को मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।

संपादकीय

सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने का लाभ अन्य राज्यों में भी मिलेगा

भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। इनकी चर्चा तमिलनाडु के मोदी के रूप में भी होती है। तमिलनाडु में सीपीआर के नाम से चर्चित सीपी राधाकृष्णन 2013 में एक तमिल चैनल के डिबेट में तब शामिल हुए थे, जब नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाए जाने पर बहस हो रही थीं। उस चर्चा में तमिलनाडु के मोदी के रूप में उनका परिचय दिया गया था। उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी के रूप में उनका चयन कर भाजपा ने एक साथ कई राजनीतिक लक्ष्य साधे हैं। भाजपा को उनके उपराष्ट्रपति बनने का लाभ तमिलनाडु के साथ दक्षिण के अन्य राज्यों में भी मिल सकता है। चूंकि वह ओबीसी हैं, इसलिए तमिलनाडु में डीएमके की ओबीसी केंद्रित राजनीति को जवाब देने में तो आसानी होगी ही, ओबीसी कार्ड खेल रहे राहुल गांधी का मुकाबला करने में भी सुविधा रहेगी।

इसे संयोग कहें या कुछ और, देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर भरोसा कितना है, इसे इससे समझा जा सकता है कि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी।

सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधा जी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही जनसंघ का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।

इसका कारण तमिल अस्मिता की राजनीति है। तमिल अस्मिता की राजनीति करने वाले मुख्यमंत्री स्टालिन के लिए सीपीआर का विरोध करना आसान नहीं होगा। इस समय लोकसभा में डीएमके के 22 और राज्यसभा में 10 सदस्य हैं। हालांकि डीएमके ने केंद्र सरकार के खिलाफ भाषा, नई शिक्षा नीति और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ जिस तरह मोर्चा खोल रखा है, उसकी वजह से इसमें संदेह है कि वह सीपीआर के पक्ष में खुलकर खड़ी होगी। सीपीआर के पिता बताते थे कि उनके पूर्वज उत्तर भारत से ही मीनाक्षीपुरम में व्यापार के लिए आए और फिर वहीं के होकर रह गए। वे अपना संबंध उत्तर भारत के मारवाड़ी और वैश्य बिरादरी से जुड़ा बताते थे। इस नाते कह सकते हैं कि राधाकृष्णन का नाता उत्तर भारत से भी है। सीपी राधाकृष्णन के एक रिश्तेदार कांग्रेस के सांसद रहे। वह तमिलनाडु भाजपा के 2004 से 2007 तक अध्यक्ष भी रहे। इस दौरान उन्होंने पूरे राज्य का दौरा किया था। इसके जरिए उन्होंने तमिलनाडु भाजपा में नया उत्साह भरने की भरपूर कोशिश की थी।

वर्ष 2004 और 2014 के आम चुनावों में सीपी राधाकृष्णन को सफलता नहीं मिली, जबकि 2009 के आम चुनावों में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था। 2014 की प्रचंड मोदी लहर में उन्हें जीत का पूरा भरोसा था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इसके बाद 2016 में उन्हें राष्ट्रीय केयर बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया। सांसद रहते वक्त स्टाक एक्सचेंज घोटाले की जांच करने वाली संसदीय समिति और प्रेस परिषद में लोकसभा के प्रतिनिधि सदस्य रहे राधाकृष्णन को भाजपा ने 2020 में केरल का प्रभारी बनाया था। उन्होंने झारखंड का राज्यपाल रहते समय भी पूरे राज्य का दौरा किया था और जनता की समस्याएं सुनीं।

सीपीआर राज्य की कौंडर जाति से आते हैं, जो अन्य पिछड़ा समाज में आती है। इस जाति विशेष का बड़ा आधार तमिलनाडु में नहीं है, लेकिन राज्य में वह भाजपा का मजबूत वोटबैंक है। सीपीआर के जरिए भाजपा ने तमिलनाडु में अपने आधार वोटबैंक को संदेश देने की भी कोशिश की है। इसके अलावा तमिल नाडु की जनता को भी यह संदेश दिया गया है कि भाजपा राज्य को विशेष महत्व देती है। जब वह पहली बार राज्यपाल बनाए गए थे, तब सक्रिय राजनीति से दूरी का अंदेशा उन्हें निराश कर रहा था, लेकिन नियति ने कुछ और ही रच दिया है।

उनका उपराष्ट्रपति बनना लगभग तय है। उपराष्ट्रपति के साथ राज्यसभा के सभापति के रूप में उनके पास बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस दायित्व में सक्रियता की खूब गुंजाइश है। ध्यान रहे कि वे ऐसे समय उपराष्ट्रपति बनेंगे, जब जगदीप धनखड़ ने अचानक इश्तीफा देकर भाजपा के लिए समस्या खड़ी करने का काम किया और उस विपक्ष को हमलावर होने का मौका दिया, जो सभापति के तौर पर उनके रुख-रवैये से नाखुश रहता था। एक बार तो उसने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने की पहल कर दी थी।

साझेदारी और बराबरी से ही टिकेगा आधुनिक विवाह

डॉ. प्रियंका सौरभ

आधुनिक जीवनशैली ने जहाँ रिश्तों में नए अवसर खोले हैं, वहीं कई नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं। शिक्षा, रोजगार और तकनीक ने महिलाओं को पहले से अधिक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाया है।

आज की महिला घर के दायरे से निकलकर नौकरी, व्यवसाय और प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक सक्रिय रूप से पहुँच रही है। लेकिन विडंबना यह है कि घर की दहलीज़ के भीतर उसकी स्थिति उतनी नहीं बदली जितनी बदलनी चाहिए थी। अधिकांश परिवारों में अभी भी घरेलू कार्यों की जिम्मेदारी लगभग पूरी तरह से महिलाओं पर ही डाल दी जाती है।

इस समस्या का एक नया और चिंताजनक रूप सामने आया है – पति द्वारा घरेलू कामों में जानबूझकर अयोग्यता दिखाना। इसे पश्चिमी समाज में वेपनाइज्ड इनकंपिटेंस कहा जाता है, जिसका सीधा अर्थ है कि पति जानबूझकर घरेलू काम बिगाड़कर यह जताता है कि वह इन कार्यों में सक्षम ही नहीं है। नतीजतन पत्नी को ही दोबारा सब कुछ करना पड़ता है और धीरे-धीरे घर का पूरा बोझ उसी के कंधों पर आ जाता है। कल्पना कीजिए कि पत्नी कहती है कि रसोई में सब्ज़ी बनाओ। पति नमक इतना डाल देगा कि खाना खाने लायक ही न रहे। या फिर कपड़े धोते समय वह रंगीन और सफेद कपड़े एक साथ डाल देगा ताकि वे खराब हो जाएँ।

बच्चे को होमवर्क कराने की जिम्मेदारी मिले तो वह आधे मन से बैठकर बच्चा और उलझा दे। ऐसे मामलों में वह बाद में सहजता से कह देता है – 'देखो, मुझसे नहीं होता, तुम ही कर लो।' इस तरह बार-बार की गई ऐसी घटनाएँ पत्नी को मजबूर कर देती हैं कि वह सब कुछ स्वयं संभाले। यह प्रवृत्ति केवल आलस्य का रूप नहीं है, बल्कि मानसिकता की गहराई में छिपा हुआ लैंगिक भेदभाव है। समाज ने सदियों से यह धारणा बना दी है कि घरेलू काम महिलाओं का दायित्व है और पुरुष केवल बाहर की जिम्मेदारियों तक सीमित हैं। लेकिन आज के समय में जब महिलाएँ बाहर भी बराबर की जिम्मेदारी उठा रही हैं, तब यह तर्क न तो न्यायसंगत है और न ही स्वीकार्य।

कोरोना महामारी और लॉकडाउन के दौरान यह स्थिति और स्पष्ट होकर सामने आई। जब दफ्तर घरों में सिमट गए, बच्चे पूरे समय घर में रहने लगे और बाहर से सहायक मिलना बंद हो गया, तब लाखों परिवारों में यह देखा गया कि महिलाओं पर काम का बोझ कई गुना बढ़ गया। वे दिनभर ऑनलाइन मीटिंग्स में भी थीं और साथ ही तीन वक्त का खाना बनाने, बच्चों को पढ़ाने, सफाई करने और बुज़ुर्गों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी निभा रही थीं। पति जहाँ तक संभव हुआ, इन जिम्मेदारियों से बचते रहे और बहाना यही रहा कि वे घर के कामों में उतने माहिर नहीं हैं। इस परिस्थिति ने कई रिश्तों में तनाव को जन्म दिया और कई परिवारों में तलाक और अलगाव की घटनाएँ बढ़ीं।

महिलाएँ अब पहले जैसी स्थिति में चुपचाप समझौता नहीं कर रही हैं। शिक्षित और आत्मनिर्भर होने के कारण वे बराबरी की मांग कर रही हैं। उनके लिए विवाह अब केवल परंपरा निभाने का नाम नहीं है, बल्कि एक साझेदारी है। इस साझेदारी का अर्थ है कि दोनों साथी मिलकर घर की जिम्मेदारियाँ बाँटें। जब पति जानबूझकर अयोग्यता दिखाता है तो यह सीधे-सीधे पत्नी के आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य पर चोट करता है। कई बार यह स्थिति डिप्रेशन, चिंता और थकान का कारण बन जाती है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह प्रवृत्ति रिश्तों को नुकसान पहुँचाती है। रिश्ता तभी मजबूत होता है जब उसमें बराबरी और विश्वास का भाव हो। यदि एक पक्ष बार-बार जिम्मेदारी से भागे और दूसरा पक्ष मजबूरी में सब कुछ ढोता रहे तो धीरे-धीरे नाराज़गी, कड़वाहट और दूरी बढ़ जाती है। पत्नी को लगता है कि उसकी मेहनत को महत्व नहीं दिया जा रहा और पति को लगता है कि वह अपनी सुविधा से बच निकला है। यह असंतुलन लंबे समय तक नहीं चल सकता।

अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी इस विषय पर शोध हुए हैं। अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कई समाजशास्त्रीय अध्ययनों में पाया गया है कि घरेलू कार्यों का असमान वितरण तलाक का एक बड़ा कारण है। भारत में भी यही प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। बदलते शहरी जीवन, दोहरे रोजगार और छोटे परिवारों की पृष्ठभूमि में महिलाएँ अधिक मुखर हो रही हैं और बराबरी की मांग खुलकर रख रही हैं। इस समस्या का समाधान केवल कानून या सामाजिक दबाव से नहीं निकलेगा, बल्कि यह पति-पत्नी के आपसी संवाद और समझदारी से ही संभव है।

पुरुषों को यह समझना होगा कि घरेलू कार्य केवल साधारण काम नहीं हैं, बल्कि वे परिवार की नींव को मजबूत रखते हैं। यदि रसोई का काम, बच्चों की पढ़ाई या घर की सफाई समय पर और ठीक से न हो तो घर का वातावरण बिगड़ जाता है और तनाव बढ़ता है। इसलिए इन्हें हल्के में लेना या केवल महिला पर थोपना उचित नहीं। इसी तरह महिलाओं को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि वे बिना कहे हर जिम्मेदारी अपने ऊपर न लें। कई बार महिलाएँ यह सोचकर चुप रह जाती हैं कि 'वह नहीं करेगा तो मुझे ही करना होगा।' धीरे-धीरे यह पैटर्न स्थायी हो जाता है और पति जिम्मेदारी से बचने का आदी बन जाता है। इसलिए आवश्यक है कि शुरुआत से ही दोनों के बीच काम बाँटने की आदत विकसित हो।

शिक्षा प्रणाली और सामाजिक अभियानों में भी यह संदेश देना होगा कि घरेलू कार्य किसी एक लिंग की जिम्मेदारी नहीं हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना होगा कि लड़का और लड़की दोनों बर्तन धो सकते हैं, खाना बना सकते हैं और घर का हर काम कर सकते हैं। जब यह सोच बचपन से पनपेगी तभी आने वाली पीढ़ी में असमानता घटेगी।

समाज को यह भी स्वीकार करना होगा कि घरेलू कार्यों की भी आर्थिक और सामाजिक कीमत है। यदि कोई महिला या पुरुष दिनभर घर के काम कर रहा है तो वह भी उतनी ही मेहनत कर रहा है जितना कोई नौकरी करने वाला। इसे केवल 'महिला का काम' कहकर कमतर आँकना अन्यायपूर्ण है। पति द्वारा घरेलू कार्यों में अयोग्यता दिखाना केवल व्यक्तिगत रिश्तों को नहीं तोड़ता, बल्कि यह समाज में असमानता और अन्याय को भी गहरा करता है। यदि आधुनिक विवाह को टिकाऊ और मजबूत बनाना है तो यह मानसिकता बदलनी ही होगी। साझेदारी और बराबरी ही आज के समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि विवाह केवल साथ रहने का अनुबंध नहीं है। यह एक ऐसा बंधन है जिसमें दोनों साथी मिलकर एक-दूसरे की खुशियों और कठिनाइयों को साझा करते हैं। यदि पति जिम्मेदारियों से बचने के

भारत में भाजपायी चुनाव आयोग

राजेंद्र शर्मा

किसी निष्पक्ष रेफरी की सामान्य प्रतिक्रिया तो यही होती कि बड़े पैमाने की जिन गड़बड़ियों को इंगित किया गया है, उनका स्वतः संज्ञान लेकर आयोग जांच कराएगा और त्रुटियों को दूर करेगा, ताकि चुनाव और निष्कलंक हो सकें। लेकिन, चुनाव आयोग ने तो शुरू से ही गड़बड़ियों को इंगित करने वालों के प्रति शत्रुतापूर्ण रुख अपनाया, जैसे उसी की चोरी पकड़ी गयी हो।

सोशल मीडिया में पिछले कुछ हफ्तों से एक मजाक चल रहा था। चुनाव आयोग ने इसका जोरदार तरीके से खंडन किया है कि उसने भाजपा में विलय कर लिया है; आयोग ने कहा है कि वह भाजपा सरकार का बाहर से ही समर्थन करता रहेगा! मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार की पहली खुली प्रेस कान्फ्रेंस के बाद ऐसा लगता है कि उस मजाक को अपडेट करने का समय आ गया है।

चुनाव आयोग अब और बाहर से समर्थन नहीं देता रह सकता है। 'विदेशी घुसपैठ' के खतरों को देखते हुए, उसने भाजपा में विलय का फैसला कर लिया है। व्यवहार में वर्तमान चुनाव आयोग के इस फैसले का ऐलान जिस संवाददाता सम्मेलन में किया गया है, वह कहने को तो पूरे चुनाव आयोग की ही प्रेस कान्फ्रेंस थी। तीनों चुनाव आयुक्त मंच पर मौजूद भी थे। लेकिन, बोलने का काम सिर्फ मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार ने किया। इसलिए, अभी निश्चयपूर्वक यह कहना मुश्किल है कि चुनाव आयोग के भाजपा में इस विलय में, पूरे चुनाव आयोग की पूर्ण सहमति है या नहीं!

बेशक, चुनाव आयोग ने अब भी भाजपा में विलय की औपचारिक घोषणा नहीं की है। उल्टे उसने संवाददाता सम्मेलन में तो इसका भी दावा करने की कोशिश की है कि वह न पक्ष में है, न विपक्ष में, वह तो निष्पक्ष है। लेकिन, संवाददाता सम्मेलन में मुख्य चुनाव आयुक्त की प्रस्तुति और सवालों के जवाब का जो मुख्य स्वर था, उसने निष्पक्षता के इस दावे का मजाक ही बनाकर रख दिया। चुनाव आयोग का यह संवाददाता सम्मेलन, चुनावों के मामले में उसकी निष्पक्षता और विशेष रूप से मतदाता सूचियों की गड़बड़ियों के संबंध में लगातार सघन होते संदेहों और बढ़ते सवालों की पृष्ठांभूमि में हो रहा था। इन सवालों में एक ओर अगर बिहार पर थोपी गयी एसआईआर नाम की अभूतपूर्व प्रक्रिया को लेकर बेशुमार सवाल हैं, तो दूसरी ओर पिछले चुनावों की मतदाता सूचियों को और इसलिए, चुनावों को लेकर गंभीर सवाल भी हैं।

ये बाद वाले सवाल, महाराष्ट्र्र के विधानसभाई चुनाव के समय से तथा खासतौर उस चुनाव में भाजपा-नीत मोर्चे की अप्रत्याशित जीत के बाद से लगातार उठते रहे थे। फिर भी इन सवालों को, कर्नाटक की बंगलूरु सेंट्रल लोकसभा सीट के अंतर्गत, महादेवपुरा विधानसभाई सीट की मतदाता सूची के विश्तृत विश्लेषण के आधार पर, इसी महीने के शुरू में संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा लगाए गए मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के जरिए, चुनाव में धांधली के आरोपों ने, एक नयी धार दे दी है। इसी की पृष्ठांभूमि में बिहार में, जहां मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआईआर की प्रक्रिया जारी है और इस प्रक्रिया से निकलकर तैयार की जाने वाली अंतिम मतदाता सूचियों के आधार पर, इसी साल के आखिरी महीनों में विधानसभाई चुनाव होने जा रहे हैं, इंडिया गठबंधन द्वारा जिस रोज नेता विपक्ष, राहुल गांधी की अगुआई में 'वोटर अधिकार यात्रा' की शुरूआत की जा रही थी, ठीक वही दिन तथा समय, चुनाव आयोग ने अपनी इस लड़ाकू-मुद्रावाली प्रेस कान्फ्रेंस के लिए चुना था।

ऐसे में चुनाव अयोग का नेता विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का गंभीरता से तथा भरोसा पैदा करने वाले तरीके से जवाब देने के बजाय, चुनौती और धमकी के स्वर में यह कहना कि - दो ही विकल्प हैं, या तो (राहुल गांधी या अन्य सवाल उठाने वाले) एक हफ्ते में एफिडेविट दें या देश से माफी मांगें, और कोई विकल्प नहीं है; दिखाता है कि निष्पक्ष एंपायर या रेफरी की भूमिका को छोड़कर, आयोग ने 'खिलाड़ी' की भूमिका संभाल ली है। वह अपनी भूमिका विपक्ष के विपक्ष यानी सत्तापक्ष के खिलाड़ी की ही मान रहा है।

इस संबंध में अगर कोई कसर रह भी गयी थी, तो उसे इस सवाल पर चुनाव आयोग की बहुत ही मुखर चुप्पी ने दूर कर दिया कि जब राहुल गांधी जैसे ही सवाल, सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ता की हैसियत से, अनुराग ठाकुर ने उठाए थे और वाश्तव में भाजपा सांसद ने तो छः-छः संसदीय क्षेत्रों में मतदाता सूचियों में लाखों वोटों की हेरा-फेरी के जरिए चुनाव गड़बड़ी के आरोप लगाए थे, तब उनके साथ, उनके अरोपों के साथ चुनाव आयोग का सलूक, राहुल गांधी के साथ उसके सलूक से इतना भिन्न क्यों था? क्या अनुराग ठाकुर के आरोपों को चुनाव आयोग अपना 'घरेलू' या 'अंदरूनी' मामला समझता है, जिनका असली मकसद तो उसकी गड़बड़ियों पर पर्दा डालना ही है। चुनाव आयोग के अपना पक्ष चुन लेने का इससे स्पष्टां सबूत और क्या होगा?

अब तक करीब सभी जान चुके हैं कि राहुल गांधी ने महादेवपुरा विधानसभाई सीट की खुद चुनाव आयोग द्वारा ही फोटो प्रिंटआउट के रूप में दी गयी मतदाता सूची के विश्लेषण के आधार पर, करीब छः लाख मतदाताओं में से एक लाख से ज्यादा मतदाताओं के मामले में गड़बड़ियां पकड़ी थीं और इनके आधार पर इन मतदाताओं की वैधता पर सवाल उठाए थे। इन गड़बड़ियों में फर्जी पता, छोटे-छोटे घरों में साठ-साठ, अस्सी-अस्सी रजिस्टर्ड वोट, कई-कई जगहों पर रजिस्टर्ड वोट, फार्म-6 के जरिए नये वोटर के तौर पर बनाए गए, सत्तर-सॉत्तर, अस्सी-अस्सी साल की उम्र के पहली बार के वोटर, बिना तस्वीर के या इतनी छोटी तस्वीर वाले वोटर, जिनकी तस्वीर से किसी की पहचान हो ही नहीं सकती है, आदि शामिल हैं।

किसी निष्पक्ष रैफरी की सामान्य प्रतिक्रिया तो यही होती कि बड़े पैमाने की जिन गड़बड़ियों को इंगित किया गया है, उनका स्वतः संज्ञान लेकर आयोग जांच कराएगा और त्रुटियों को दूर करेगा, ताकि चुनाव और निष्कलंक हो सकें। लेकिन, चुनाव आयोग ने तो शुरू से ही गड़बड़ियों को इंगित करने वालों के प्रति शत्रुतापूर्ण रुख अपनाया, जैसे उसी की चोरी पकड़ी गयी हो और उन्हें डरा-धमका कर, 'सब चंगा सी' की मुद्रा प्रदर्शित करने की कोशिश की। याद रहे कि ऐसा सिर्फ राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले में ही नहीं किया गया बल्कि बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के पहले चरण में हुई भारी गड़बड़ियों को ढांपने के लिए, और पहले से यही किया जा रहा था। इस सिलसिले में प्रतिष्ठिांत पत्रकार, अजीत अंजुम के खिलाफ बाकायदा एफआईआर तक दायर करायी गयी थी।

चुनाव आयोग की ऐसी ही झगड़ालू श्तर प्राधिकार वाली प्रतिक्रिया, गड़बड़ियों के इन भंडाफोड़ों के संदर्भ में और भी बलपूर्वक उठी इसकी मांगों पर देखने को मिली कि मतदाता सूचियां, मशीन रीडेबल या डिजिटल फार्मेट में मुहैया करायी जाएं, न कि सिर्फ इमेज फार्मेट में जिसमें अब दी जाने लगी हैं।

मशीन रीडेबल फार्मेट में कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस की मदद से, विशाल सूचियों को भी आसानी से छाना जा सकता है और उनकी तरह-तरह की गड़बड़ियों को पकड़ा जा सकता है। जहां चुनाव आयोग के पास इस फार्मेट में सूची उपलब्ध होने के बावजूद, मतदाता सूचियों में इस तरह की गड़बड़ियों का बने रहना, उसकी लापरवाही से लेकर गड़बड़ियों में मिलीभगत तक की ओर इशारा करता है, वहीं विपक्ष के मांगने पर भी चुनाव आयोग का ऐसे फार्मेट में सूचियां न देने की जिद पकड़ना, आयोग की मिलीभगत के ही संदेहों को बढ़ाता है।

इसके बावजूद, ज्ञानेश कुमार ने न सिर्फ मशीन रीडेबल फार्मेट में मतदाता सूचियां देने से अपने इंकार को उचित ठहराने की कोशिश की है, इसके लिए निजता के अधिकार के उल्लंघन से लेकर, सुप्रीम कोर्ट के आदेश तक की झूठी दलीलें दी हैं। सच्चाई यह है कि इस तरह के फार्मेट में सूचियां उपलब्ध कराने में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन देखने के बजाय, सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया में ड्राप हुए 65 लाख लोगों की सूची देने के अपने आदेश में, विशेष रूप से इसका निर्देश दिया है कि सूची मशीन रीडेबल फार्मेट में दी जाए। दूसरी ओर, चुनाव आयोग मतदाता सूची के फार्मेट को पर्दापोशी का हथियार बनाने पर किस कदर बजिद है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बिहार में एसआईआर के पहले चरण के अंत में 1 अगश्त को कच्ची मतदाता सूची, मशीन रीडेबल फार्मेट में डाल दी गयी थी। लेकिन, चार-पांच दिन में ही चुनाव आयोग को अपनी 'गलती' का एहसास हो गया और उसने इस कच्ची सूची का फार्मेट बदलकर मशीन नान-रीडेबल कर दिया।

मशीन रीडेबल सूचियों के खिलाफ चुनाव आयोग की निजता के अधिकार की दलील इसलिए और भी बेतुकी है कि सूची के मशीन रीडेबल फार्मेट में, दूसरे फार्मेट के अलावा कोई अतिरिक्त जानकारी तो होती नहीं है, जो निजता के अधिकार के पहलू से दोनों सूचियों में कोई अंतर हो। दोनों प्रकार की सूचियों में अंतर इतना ही होता है कि मशीन रीडेबल सूची न मिलने से, कांग्रेस पार्टी को एक महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची की छानबीन कर गड़बड़ियों का पता लगाने में चार महीने से ज्यादा लग गए। दूसरी ओर, संभवतः किसी प्रकार से मशीन रीडेबल फार्मेट में सूची उपलब्ध होने के बल पर, अनुराग ठाकुर के लिए सिर्फ छः दिन में छः लोकसभाई क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का, उसी प्रकार की गड़बड़ियों के लिए विश्लेषण करना संभव हो गया। इसी प्रकार, मतदान की वीडियोग्राफी का रिकार्ड उपलब्ध न कराने के लिए ज्ञानेश कुमार ने जो 'बहन-बहुओं-बेटियों' की वीडियोग्राफी नहीं देने की दलील दी है, और भी ज्यादा खोखली है। मतदान केंद्र की वीडियोग्राफी में ऐसा क्या हो सकता है, जिसका चुनाव आयोग के सिवा किसी और का देखना आपत्ति का कारण हो सकता हो। जाहिर है कि ये सब धांधलियों को ढांपने के बहाने हैं।

हैरानी की बात नहीं है कि ऐसे चुनाव आयोग से बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के थोपे जाने की जरूरत से लेकर, उस प्रक्रिया में पहले ही उजागर हो चुकी गड़बड़ियों तक, एक भी सवाल का विश्वसनीय जवाब नहीं दिया गया है। एक-एक वोटर के साथ, गरीब वोटरों के साथ 'चट्टांन की तरह खड़े रहने' की डॉयलागबाजी को छोड़कर, चुनाव आयोग न तो इसका जवाब दे पाया है कि कैसे भारी संख्या में मृतक कच्ची मतदाता सूचियों में पहुंच गए हैं, जबकि और भी बड़ी संख्या में जिंदा वोटर, सूची से बाहर कर दिए गए हैं।

यहां तक कि आयोग यह तक नहीं बता पाया कि बिहार में कितने संभावित वोटरों के फार्म संबंधित दश्तावेजों के साथ प्राप्त हुए हैं तथा कितने के बिना संबंधित दश्तावेजों के और कितने के मतदाता फार्म पर बीएलओ ने नॉन-रिकमंडेड पर निशान लगाया है। यह भी कि इन नॉन-रिकमंडेड या बिना दश्तावेज के फार्म वालों का क्या होगा? इन हालात में जब चुनाव आयोग ज्यादा से ज्यादा सत्तापक्ष की चोरी की चौकीदारी का काम कर रहा है, बिहार की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता विपक्ष की 'वोटर अधिकार यात्रा' को अभूतपूर्व समर्थन नहीं दे, तो ही हैरानी की बात होगी।

पर्युषण महापर्व (20-27 अगस्त, 2025) : आत्मउन्नयन एवं जीवन-जागृति का पर्व है पर्युषण

ललित गर्ग

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का अपना विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मा की गहराइयों तक जाने का, आत्मनिरीक्षण करने का और आत्मशुद्धि का अनूठा पर्व है।

जैन संस्कृति ने सदियों से इस पर्व को आत्मकल्याण, साधना और तपस्या का महान माध्यम बनाया है। 'पर्युषण' का शाब्दिक अर्थ है-अपने भीतर ठहरना, आत्मा में रमना, आत्मा के समीप होना।

इस वर्ष अन्तःकरण की शुद्धि का यह महापर्व 20 से 27 अगश्त, 2025 को मनाया जा रहा है, इन आठ दिनों में हर जैन अनुयायी अपने तन और मन को साधनामय बना लेता है, मन को इतना मांज लेता है कि अतीत की त्रुटियां को दूर करते हुए भविष्य में कोई भी गलत कदम न उठे।

इस पर्व में एक ऐसा मौसम ही नहीं, माहौल भी निर्मित होता है, जो हमारे जीवन की शुद्धि कर देता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन उत्थान का पर्व है, यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना करते हुए जीवन को शांत, स्वस्थ एवं अहिंसामय बनाया जाता है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है।

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंर्तआत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है।

अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन आठ दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंर्तआत्मा में लीन हो जाए जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा।

पर्युषण का एक अर्थ है-कर्मों का नाश करना। कर्मरूपी शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह पर्युषण-पर्व आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। यह आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है-आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में पर्युषण महापर्व अहं भूमिका निभाता रहता है।

अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है। पर्युषण पर्व जैन एकता का प्रतीक पर्व है। दिगंबर परंपरा में इसकी ''दशलक्षण पर्व'' के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है।

दूसरी तरफ श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्र व शुक्ला पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है। जिसे संवत्सरी के रूप में पूर्ण त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्ष भर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धर्मानुष्ठान करते नजर आते हैं।

पर्युषण पर्व मनाने के लिए भिन्न-भिन्न मान्यताएं उपलब्ध होती हैं। आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। दिगम्बर परंपरा में यह पर्व 10 लक्षणों के रूप में मनाया जाता है।

यह 10 लक्षण पर्युषण पर्व के समाप्त होने के साथ ही शुरू होते हैं। यह पर्व जैन अनुयायियों के लिए संयम, साधना और आत्मसंयम का विशेष अवसर लेकर आता है। इन दिनों में जैन समाज उपवास, प्रतिक्रमण, पाठ, स्वाध्याय, सामायिक, ध्यान और पूजा के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशश्त करता है। घर-घर में धार्मिक वातावरण बनता है और हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा को सुधारने का प्रयत्न करता है। पर्युषण पर्व का मुख्य उद्देश्य है आत्मा को कर्मों की परतों से मुक्त करना।

जीवन में चाहे जितनी भी व्यश्तता हो, इन दिनों में हर जैन श्रावक-श्राविका अपने जीवन की गति को धीमा कर आत्मचिंतन करता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सुख-सुविधाएँ क्षणिक हैं, वाश्तविक सुख भीतर है और आत्मा की शुद्धि में ही है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकता है तो उसे अपने दोष, अपने अपराध और अपनी कमजोरियों का बोध होता है। इसी बोध से क्षमा और आत्मपरिवर्तन की भावना उत्पन्न होती है।

पर्युषण पर्व के अंतिम दिन 'क्षमावाणी' का आयोजन होता है, जिसे 'क्षमा दिवस' भी कहा जाता है। इस दिन हर व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों और यहां तक कि शत्रुओं से भी यह कहता है-"मिच्छामि दुक्कडम्" अर्थात यदि मुझसे किसी को भी मन, वचन या शरीर से कोई पीड़ा पहुँची है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। इस प्रकार क्षमा माँगने और क्षमा करने की परंपरा से समाज में सद्भाव, प्रेम और मैत्री का वातावरण बनता है।

पर्युषण पर्व आत्मसंयम और आत्मिक साधना का गहन अभ्यास है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का वाश्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास और सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्मा का उत्थान और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। यही कारण है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करुणा, अहिंसा और सहअशितत्व को अपनाने का प्रयास करते हैं।

यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है।

पर्युषण पर्व एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है'''आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन''-'श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अशितत्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं।

ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले- यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उकसाया है। इस तथ्य को सामने रखकर जैन समाज ही नहीं आम-जन भी अहिंसा की शक्ति के प्रति आस्थावान बने और गहरी आस्था के साथ उसका प्रयोग भी करे। परलोक सुधारने की भूलभुलैया में प्रवेश करने से पहले इस जीवन की शुद्धि पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए।

धर्म की दिशा में प्रस्थान करने के लिए यही राश्ता निरापद है और यही इस पर्व की सार्थकता का आधार है, प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है। वर्तमान की आंख से अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या होना है इसका विवेकी निर्णय लेकर एक नये सफर की शुरुआत की जाती है। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है।

आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर कॉलेज का बाबू निलंबित

पीलीभीत , एजेंसी। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर अमरिया स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के बाबू विजय कुमार पर कार्रवाई की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि सोशल मीडिया पर राजकीय इंटर कॉलेज अमरिया के वरिष्ठ सहायक पद पर तैनात विजय कुमार की ओर से प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी और फोटो सोशल मीडिया पर डाला गया था। प्रधानाचार्य ने सोमवार को पत्र के माध्यम से जारी दी थी। वायरल हुई इस टिप्पणी से शिक्षण सेवा की गरिमा धूमिल हुई है। इस पर गंभीर संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ सहायक विजय कुमार को निलंबित करने का निर्णय लिया गया। आदेश के अनुसार 18 अगस्त को आयोजित सुनवाई बैठक में उन्हें कार्यालय आकर आरोपों के संबंध में अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था, लेकिन वे संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सके। जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि इस मामले में निलंबन की कार्रवाई की गई है और विभाग की जांच के निर्देश भी दिए गए हैं।

सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली से टकराई बाइक, छह वर्षीय मासूम की मौत

जहानाबाद। थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली और अतिक्रमण ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। सामने से आई गाड़ी को बचाने के प्रयास में बाइक ट्रॉली से टकरा गई। इसमें छह वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि मां और बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम हसनपुर निवासी कड़ेराम ने जहानाबाद पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके साढ़ू रीतराम अपनी पत्नी पूनम और विशाल कुमारी (12) व अभिषेक (6) को अपने घर ग्राम चांद डांडी से शाही रेलवे स्टेशन छोड़ने बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बेनीपुर निवासी कुंदनलाल ने सड़क पर ट्रॉली खड़ी कर रखी थी। सामने से आ रही गाड़ी को बचाने के चलते बाइक ट्रॉली से टकरा गई।

हादसे में पूनम और दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान छह वर्षीय अभिषेक की मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ है, वहां कुंदनलाल ने सड़क किनारे लकड़ियां रखकर अतिक्रमण कर रखा है। इससे सड़क संकरी हो गई थी और यह हादसा हुआ।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

रोडवेज बस अड्डे परिसर में धार्मिक स्थल पर लघुशंका कर रहा था युवक, कर्मचारियों ने पकड़कर पीटा

पीलीभीत , एजेंसी। पीलीभीत के सदर कोतवाली क्षेत्र के रोडवेज बस अड्डे परिसर में मंगलवार सुबह उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब दूसरे समुदाय के एक युवक ने परिसर में बने धार्मिक स्थल पर लघुशंका कर दी। घटना के बाद मौजूद रोडवेज कर्मचारियों ने युवक को रंगेहाथ पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। मामला बढ़ने पर भाजपा नगर अध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान भी मौके पर पहुंच गए। घटना सुबह करीब साढ़े आठ बजे की बताई जा रही है। बताया जाता है कि युवक की हरकत देखकर कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया और मौके पर ही नारेबाजी शुरू हो गई। बढ़ते तनाव को देखते हुए रोडवेज कर्मचारियों ने तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिया गया युवक भी रोडवेज का ही कर्मचारी है।

नीदरलैंड से 133 साल बाद अपनों की खोज में पैतृक गांव पहुंचा परिवार, बताई दर्द भरी कहानी

बलिया , एजेंसी। बलिया जिले का एक परिवार 133 साल के बाद नीदरलैंड से अपने गांव लौटा। स्वदेश आने पर परिवार के लोगों ने पहले अयोध्या में भगवान राम के दर्शन किए, उसके बाद गांव पहुंचे।

सुंदर के वंशज जितेंद्र छत्ता गत नौ अगस्त को अपनी पत्नी शारदा रामसुख, पुत्री ऐश्वर्या और पुत्र शंकर के साथ दिल्ली पहुंचे। अयोध्या में रामलला का दर्शन करने के बाद अपने पूर्वजों की धरती बेल्थरारोड पहुंचे लेकिन उनके परिवार का कोई नहीं मिला। छठवीं पीढ़ी के जितेंद्र छत्ता ने बताया कि 133 साल पहले परिवार के सदस्यों से झूठ बोलकर अंग्रेज उन्हें नीदरलैंड ले गए थे।

उन्होंने बताया कि वर्ष 1892 में बलिया

के सीयर गांव के रहने वाले उनके पूर्वज सुंदर प्रसाद को 35 वर्ष की उम्र में अंग्रेज अपने साथ सूरीनाम ले गए थे। उनकी पत्नी अनुरजिया बिहारी और तीन साल का बेटा भी उनके साथ गए थे। उन्हें पहले बेल्थरारोड रेलवे स्टेशन ले जाया गया, वहां से कोलकाता ले जाया गया। वहां से पानी के जहाज से सूरीनाम भेजे गए।

उन्होंने बताया कि पूर्वजों के अनुसार अंग्रेजों ने वादा किया था कि परिवार को महल में रखा जाएगा तथा सोने की थाली में भोजन परोसा जाएगा लेकिन सूरीनाम में मजदूरी करवाई गई। इसके बाद उन लोगों को अंग्रेजों ने नीदरलैंड भेज दिया।

डिफ्ट साउथ हॉलैंड में मेंबर ऑफ सुपरवाइजिंग बोर्ड पद पर कार्यरत हैं जितेंद्र

जितेंद्र छत्ता डिफ्ट साउथ हॉलैंड में मेंबर ऑफ सुपरवाइजिंग बोर्ड पद पर कार्यरत हैं। जितेंद्र ने बताया कि नीदरलैंड में पूर्वज सुंदर की सात साल बाद मौत हो गई, उसके एक साल बाद उनकी पत्नी भी गुजर गईं। सिर्फ उनका बेटा बचा था, जिनके संघर्ष से हम वशंज इस मुकाम पर पहुंचे। सुंदर के बेटे का नाम दुखी था। उनके बेटे कल्याण, फिर पृथ्वीराज और उसके बाद धर्मराज ने वंश को आगे बढ़ाया। जितेंद्र की पुत्री ऐश्वर्या ने बताया कि पहली बार भारत आई हूं। बहुत खुशी हो रही है। हमारे घर में राम की पूजा होती है। अयोध्या में रामलला के दर्शन से जीवन धन्य हो गया।

69 हजार शिक्षक भर्तीः केशव चाचा न्याय करो..., अभ्यर्थियों ने घेरा डिप्टी सीएम का आवास, जमकर की नारेबाजी

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का आवास घेरकर नारेबाजी की। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से अभ्यर्थी नाराज हैं। इसको लेकर वह डिप्टी सीएम के आवास के सामने धरने पर बैठ गए। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। इस दौरान अभ्यर्थी केशव चाचा न्याय करो... जैसे नारे लगाते रहे।

प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों ने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में अनियमितता हुई है। इस कारण आरक्षित वर्ग के हजारों अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित रह गए। मामले की हाईकोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। फैसला उनके पक्ष में आया। लेकिन, सरकार की लापरवाही के कारण उसका पालन नहीं हो सका। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी पक्ष रखने से पीछे हट रही है।

मंगेतर ने शादी से किया इन्कार... युवक ने फंदा लगाकर दी जान

गोरखपुर , एजेंसी। गोला थाना क्षेत्र के खोपापार गांव में मंगेतर ने शादी से इन्कार किया तो राजू (22) ने फंदा लगाकर जान दे दी। सोमवार सुबह शव घर से कुछ दूर स्थित पेड़ पर रस्सी से लटकता मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। खोपापार गांव निवासी राजू की शादी खजनी थानाक्षेत्र निवासी युवती से हाल ही में तय हुई थी। इसके बाद से दोनों में बातचीत भी शुरू हो गई थी। राजू के पिता रामकरन के अनुसार, कुछ दिन पहले दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर युवती ने शादी से इन्कार कर दिया। जबकि युवक उसी से शादी करना चाहता था। रविवार रात नाराज होकर युवक घर से निकल गया। सोमवार सुबह उसका शव घर से कुछ दूरी पर स्थित पेड़ पर रस्सी के सहारे लटकता मिला। जानकारी पर परिजनों ने ग्र्रामीणों की मदद से उसे फंदे से नीचे उतार कर निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाप्रभारी अंजुल चतुर्वेदी ने बताया कि राजू ऑटो चालक था। वह तीन भाइयों व एक बहन में सबसे बड़ा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजली निजीकरण मामलाः

संघर्ष समिति ने सीएम को भेजा पत्र, लिखा- ओडिशा और चंडीगढ़ का विफल मॉडल यूपी पर न थोपा जाए

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में इन दिनों बिजली निजीकरण का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसी कड़ी में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। इसमें ओडिशा और चंडीगढ़ का विफल मॉडल यूपी पर न लागू करने की मांग की है। पदाधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे सुधार को देखते हुए निजीकरण का प्रस्ताव तत्काल रद्द किया जाए।

सीएम को भेजे पत्र में पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण के लिए ट्रांजेक्शन एडवाइजर के चयन में चंडीगढ़ मॉडल को अपनाया गया है। चंडीगढ़ में 24 घंटे आपूर्ति का दावा था, लेकिन कटौती से वहां विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

मुख्य सचिव को अपने हाथ में कमान लेनी पड़ीः छह माह में ही हालात इतने खराब हो गए हैं कि मुख्य सचिव को अपने हाथ में कमान लेनी पड़ी है। ऐसे में यह मॉडल यूपी में लागू न होने दिया जाए। वहीं, समिति की ओर से निजीकरण के विरोध में सभी जिलों एवं परियोजना मुख्यालयों पर प्रदर्शन जारी रहा।

नया सर्किल रेटः 100 रुपये से लेकर 65 हजार रुपये तक... आसमान पर पहुंचे जमीनों के भाव; जानें कितनी बढ़ गई कीमत

आगरा, एजेंसी। नए सर्किल रेट सोमवार से लागू हो गए। पहले दिन बमुश्किल 10 बैनामा नए रेट के अनुसार हुए। 70 से अधिक पक्षकारों ने पहले ही स्टांप खरीद रखे थे। उनके बैनामा पुराने रेट पर ही हुए। एत्मादपुर मदरा में मात्र 100 रुपये प्रति वर्ग मीटर की रेट में वृद्धि की गई है। जबकि, सेठ गली में दुकानों की कीमत 65 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर तक बढ़ गई है।

सदर तहसील बार एसोसिएशन महासचिव अरविंद दुबे के अनुसार एत्मादपुर मदरा में आबादी क्षेत्र में सर्किल रेट आठ साल पहले 3500 रुपये प्रति वर्ग मीटर था। जिसे अब 3600 रुपये प्रति वर्ग मीटर किया है। यानी 8 साल में 100 रुपये बढ़ाए हैं। यहां किसानों की जमीन है। सरकारी योजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण व मुआवजा वितरण होना है। रेट बढ़ने पर अधिक मुआवजा बांटना पड़ता। कृषि भूमि का सर्किल रेट पहले यहां 55 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर था। जिसे अब 59 लाख रुपये प्रति हैक्टेयर किया है। जबकि बाजार मूल्य 1.50 से 2 करोड़ रुपये प्रति बीघा है।

सेठ गली में आवासीय भूमि की रेट में 18 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की वृद्धि की गई। 2017 में यहां 35000 रुपये प्रति वर्ग मीटर का रेट था। जो अब 53000 रुपये प्रति वर्ग मीटर हो गया है। इसी तरह यहां दुकान का सर्किल रेट पहले 1.30 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर था। जिसे बढ़ाकर अब 1.95 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर किया है। अधिवक्ता श्रीकृष्ण दीक्षित का कहना है कि सर्किल रेट निर्धारण में सर्वे सही नहीं किया। इस संबंध में डीएम अरविंद एम बंगारी का कहना है कि आपत्ति व सुझावों को शामिल करने के बाद रेट निर्धारित हुए हैं।

चार महीने तक करा सकेंगे पुराने स्टांप से बैनामाः सदर तहसील बार पूर्व अध्यक्ष लाल बहादुर राजपूत का कहना है कि पुराने स्टांप से 4 महीने तक बैनामा कराया जा सकता है। शर्त है कि सर्किल रेट से पहले पक्षकारों ने बैनामा के लिए ऑनलाइन आवेदन किया हो। आवेदन के बाद बैनामा 4 महीने तक में पुराने सर्किल रेट से कराया जा सकेगा। सोमवार को पहले दिन अधिकतर वही लोग बैनामा कराने पहुंचे जो पहले आवेदन कर चुके थे। नए सर्किल रेट पर बहुत कम बैनामा पंजीकृत हुए।

सड़क पर तड़प रहा था गोवंश, एसडीएम ने रुकवा लिया काफिला, फिर जो किया...लोग कर रहे महिला अधिकारी की प्रशंसा

आगरा , एजेंसी। आगरा जयपुर हाईवे पर स्थित गांव महुअर पर घायल पड़े गोवंश का मंगलवार को एसडीएम किरावली नीलम तिवारी ने इलाज करवाया। इसके बाद प्रधानपति चंदन दिवाकर को गोवंश को गो आश्रय में भिजवाने के लिए निर्देश दिए। वहीं राहगीर और ग्रामीणों ने एसडीएम की प्रशंसा की है।

विकास खंड अछनेरा के गांव महुअर पर हाईवे के डिवाइडर पर दर्जनों छुट्टा मवेशी बैठे रहते हैं। मवेशी अचानक उठकर बीच सड़क पर आ जाते हैं। इससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सोमवार रात को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गोवंश घायल हो गया। उसके पैर में गंभीर चोट आ गई, जिस वजह से उसे खड़े होने में परेशानी हो रही थी। मंगलवार सुबह करीब दस बजे एसडीएम किरावली नीलम तिवारी अपनी गाड़ी से कार्यालय जा रहा थीं। तभी उनकी नजर हाईवे पर जख्मी गोवंश पर पड़ी।

एसडीएम ने तुरंत ही अपनी गाड़ी रुकवा ली। एसडीएम ने घायल गोवंश को पानी पिलवाया। इसके बाद चिकित्सक को बुलाकर इलाज करवाया। आधे घंटे से अधिक समय तक एसडीएम हाईवे पर खड़ी रहीं। वहीं एसडीएम की गोसेवा को देखकर राहगीर एवं ग्रामीणों की भीड़ लग गई। उन्होंने एसडीएम के कार्य की जमकर सराहना की है। साथ ही श्यामबाबू दीक्षित, सुनील शर्मा, आकाश प्रजापति, दिनेश कश्यप, संदीप शर्मा, नजर खान, दीपक कुशवाह आदि ने छुटटा मवेशियों को गोशाला में भिजवाने की मांग की है।

छात्रवृत्ति लाभार्थियों की चयन प्रक्रिया के लिए यूपी सरकार व एफसीडीओ के बीच हुआ एमओयू, सीएम योगी रहे मौजूद

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को चिवनिंग-भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना के तहत यूपी सरकार और द फारेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट आफिस के बीच एमओयू हुआ। अब इसके तहत लाभार्थियों की चयन प्रक्रिया होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून के साथ उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

25 साल की शादी तोड़ महिला ने प्रेमी संग लिए सात फेरे

पति ने पहले की जासूसी, फिर कराई शादी

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बीरभानपुर मोहन सराय स्थित मंदिर में एक शख्स ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी के साथ कराई। मंदिर में विधि- विधान से शादी संपन्न कराई गई। इतना ही नहीं मंदिर की ओर से शादी का प्रमाणपत्र भी जारी किया गया। यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, मिर्जापुर के अहिरौरा निवासी अरविंद कुमार पटेल और चंदौली के दुल्हीपुर की रीना देवी की शादी 25 वर्ष पहले भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार हुई थी। दंपति के दो बच्चे हैं, जिनमें बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है और बेटा 18 वर्ष का है। कुछ समय से पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही थी, जिसके चलते रीना चंदौली के हमीदपुर में किराए के मकान में रह रही थी।

इस दौरान अरविंद को रीना पर शक हुआ तो उसने उसकी जासूसी शुरू की। जिसके बाद उसे पता चला कि रीना का 50 वर्षीय सियाराम यादव के साथ प्रेम संबंध है। अरविंद ने रीना और सियाराम को एक कमरे में रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद अरविंद ने अपने परिजनों और साथियों को बुलाया और दोनों की शादी कराने का फैसला किया।

मामले की जानकारी जब पुलिस को मिली तो दोनों पक्षों को चौकी ले जाया गया। वहां दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी और वाराणसी के मंदिर में शादी कराने का निर्णय लिया गया। मंदिर में अरविंद और सियाराम के परिजनों की मौजूदगी में पंडित ने मंत्रोच्चार के साथ शादी संपन्न कराई। दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और सिंदूर दान की रस्म पूरी की।

उधर, रीना का कहना है कि वह 20 साल से सियाराम को जानती है। वहीं सियाराम ने कहा कि रीना के मकान में ही दुकान खोली थी। तभी से उनके घर आना-जाना था। रीना के पति अरविंद ने कहा कि दोनों के बीच प्रेम संबंध था। इसलिए दोनों की शादी करा दी।

बेटे की मौत की खबर सुन पिता के आंखों से नहीं निकले आंसू, शव देखने की रट लगाते रहे

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर जिले में सनबीम स्कूल में बेटे आदित्य वर्मा पर हमले की खबर मिलते ही पिता भागते हुए अस्पताल पहुंचे। बेटे को निगाहें ढूंढ रही थीं कि लाल कैसा होगा... जैसे ही बेटे की मौत की खबर मिली वे बेसुध हो गए। मॉर्च्यूरी के फ्रीजर में उन्हें बेटे का शव दिखाया गया तो उनकी आंखों से आंसू नहीं निकल रहे थे, वह शव को एकटक निहारते रहे, फिर बेटे का सिर सहलाने लगे। मृत बेटे को इस तरह दुलारते देख वहां मौजूद हर किसी का कलेजा फटा जा रहा था।

शिवजी अस्पताल पहुंचे तो कहने लगे कि सनबीम स्कूल में मेरा बेटा पढ़ता है। वहां से उन्हें फोन आया है कि उनका बेटा घायल है। वह कहां है। शिवजी के साथ शहर के ही निवासी उमाशंकर वर्मा और कुछ लोग भी थे, जो बार-बार एक ही सवाल कर रहे थे, आदित्य कहां है। वे पुलिसकर्मियों के पास पहुंचे, फिर इमरजेंसी कक्ष में गए। वहां सनबीम स्कूल की एक महिला अध्यापक थी, उन्होंने आदित्य के बारे में पूछा तो वह भावुक होकर वहां से चली गईं। यहां उन्हें बेटे के मौत की खबर मिली। इसके बाद वह शव दिखाने की मांग करने लगे और देरी होने पर स्कूल प्रशासन पर मामले को दबाने और छिपाने का आरोप लगाते रहे। इस दौरान शिवजी एकदम शांत रहे। वह कुछ भी समझ नहीं पा रहे थे। उनकी आंखों से तो आंसू तक नहीं निकल रहे थे। वह एक ही रट लगाए हुए थे शव देखना है। काफी देर बाद शव दिखाया गया तो वह रोने की बजाय अपने मृत बेटे के सिर पर हाथ फेरकर दुलारते नजर आए। यह देख हर किसी की आंखें नम हो गईं। यही स्थिति उनकी कोतवाली से लेकर पोस्टमार्टम हाउस तक रही। उधर, बेटे के पढ़ने के लिए भेजने के पहले खाना बनाने वाली मां गुड़िया भी घटना से दोपहर बाद तक बेखबर रहीं। मौत की खबर जैसे ही मिली वे बदहवास हो गईं। घटना की जानकारी होने पर रेवतीपुर स्थित ननिहाल में भी कोहराम मच गया, जो जहां से इस घटना की जानकारी पाया वह भागता हुआ पहुंचा। शाम को दो डॉक्टरों के पैनल ने आदित्य के शव का पोस्टमार्टम किया।

पृथ्वी शॉ ने ठोका तूफानी शतक, टीम इंडिया में वापसी के लिए बना डाले इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ को भले ही दुनिया कोसती रहती है लेकिन अब इस खिलाड़ी ने वो काम कर दिखाया है जिसके बाद अब उन्हें हर कोई सलाम कर रहा है. पृथ्वी शॉ ने बुच्ची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र की ओर से शानदार शतक ठोक दिया. शॉ महाराष्ट्र की टीम के लिए पहली बार मैच खेलने उतरे और उन्होंने डेब्यू मैच में ही कमाल कर दिखाया. शॉ ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 111 रनों की पारी खेली. शॉ ने अपनी इस पारी में 141 गेंदें खेली और उनका स्ट्राइक रेट 78 से ज्यादा का रहा. शॉ की बल्लेबाजी के कमाल का अंदाजा आप इस बात से लगाइए कि उन्होंने पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया.

महाराष्ट्र को पृथ्वी शॉ ने संभाला:पृथ्वी शॉ की ये पारी इसलिए भी कमाल है क्योंकि उन्होंने मुश्किल वक्त पर सेंचुरी ठोकी है. जब महाराष्ट्र की टीम के बल्लेबाज ताश के पत्तों की तरह बिखर रहे थे, उस वक्त शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर विरोधी गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेला. महाराष्ट्र ने सिर्फ 86 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, टॉप ऑर्डर के पांच में से 4 बल्लेबाज 10,4, 1 और 0 का योगदान ही दे सके. ऋतुराज गायकवाड़ भी महज 4 रन बना पाए लेकिन शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर महाराष्ट्र को गेम में बनाए रखा. शॉ जब आउट हुए तो महाराष्ट्र का स्कोर 166 रन था और इसमें उनका योगदान रहा 111 रन.मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र में हुए शामिलबता दें पृथ्वी शॉ ने हाल ही में मुंबई की घरेलू टीम का साथ छोड़ा है. खराब फिटनेस की वजह से उन्हें रणजी ट्रॉफी में ड्रॉप कर दिया गया था. इसके बाद शॉ ने बड़ा फैसला लेते हुए महाराष्ट्र की टीम का हाथ थामा और पहले ही मैच में उन्होंने अपनी क्लास दिखा दी. वैसे पृथ्वी शॉ का बड़ा लक्ष्य टीम इंडिया में वापसी करना है. वो लंबे समय से टीम से बाहर हैं. अगर वो ऐसी ही पारियां खेलते रहे तो उन्हें वापस सेलेक्ट करना चयनकर्ताओं की मजबूरी बन जाएगा.

दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए कगिसो रबाडा

नई दिल्ली, एजेंसी।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा। टीम की तेज गेंदबाजी का सबसे प्रमुख चेहरा कगिसो रबाडा इंजरी की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए। कगिसो रबाडा के दाहिने टखने में सूजन थी। सोमवार को हुए स्कैन में गंभीर चोट का पता चला। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, वह ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। कगिसो रबाडा की जगह वनडे सीरीज में बाएं हाथ के 19 साल के तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में जगह दी गई है। मफाका का हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संपन्न तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन रहा था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट झटके थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में जगह दी गई है। हालांकि, वह पहले वनडे का हिस्सा नहीं हैं।

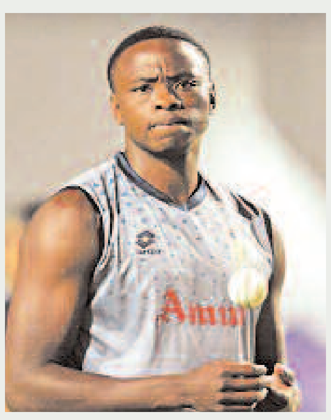

कार्लोस अल्काराज ने पहली बार जीतासिनसिनाटी ओपन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया। विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही। अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

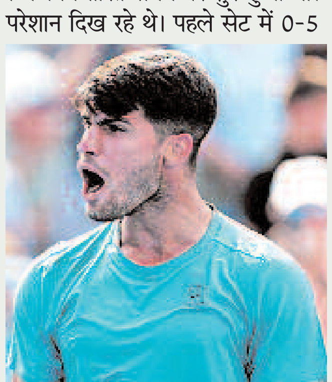

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी। सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं। विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, बाबर और रिजवान का हुआ डिमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मौजूदा वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को लगातार बड़े झटके दे रहा है। एशिया कप 2025 के स्क्वॉड से बाहर होने के बाद पीसीबी के नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को नुकसान उठाना पड़ा है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वह लंबे समय से टॉप कैटेगरी में शामिल रहे हैं। पिछली बार भी वह ग्रेड ए का हिस्सा थे, लेकिन 2025-2026 के लिए जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बाबर आजम और रिजवान को डिमोट कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड बी में जगह दी गई है।

नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कुल 30 खिलाड़ियों को जगह दी गई है, लेकिन ग्रेड ए कैटेगरी में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया है। पिछली बार सी ग्रेड का हिस्सा रहे अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सलमान अली आगा, सैम अयूब और शादाब खान को ग्रेड बी में शामिल किया गया है।

बोर्ड ने 12 नए खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया है। ये खिलाड़ी हैं- अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफयान मोकिम। सभी पहली बार कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने हैं।

पाकिस्तान सेंट्रल कांट्रैक्ट (2025-26) में शामिल खिलाड़ी: ग्रेड बी (10 खिलाड़ी)अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, सलमान अली आगा, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदीग्रेड सी (10 खिलाड़ी)

अब्दुल्लाह शफीक, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नोमान अली, साहिबजादा फरहान, साजिद खान और सऊद शकील

ग्रेड डी (10 खिलाड़ी)

अहमद दानियाल, हुसैन तलत, खुर्रम शहजाद, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शान मसूद और सुफियान मुकीम

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन लंबे समय से निराशाजनक रहा है। हाल ही में टीम को वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज में 1-2 से हराया है। पाकिस्तान को एशिया कप 2025 से पहले यूएई और अफगानिस्तान के साथ त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलनी है।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

शुभमन गिल उप कप्तान, जायसवाल और अय्यर बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, जो टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे। इस बीच चयनकर्ताओं ने कुछ अहम फैसले लेते हुए यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर कर दिया है। टॉप ऑर्डर में संजू, अभिषेक और तिलक हैं तो मिडिल ऑर्डर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलती दिखी है. गेंदबाजी के मोर्चे पर जहां बुमराह और अर्शदीप पेस अटैक का भार उठाते दिखेंगे. वहीं स्पिन को मजबूती देने के लिए एशिया कप की टीम में वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को जोड़ा गया है.

एशिया कप के लिए टीम इंडिया : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह.

डेब्यू वनडे में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर डेवाल्ड ब्रेविस ने बनाया दमदार रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेबी एबी के नाम से लोकप्रिय दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम की है। ब्रेविस इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत की। ब्रेविस को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ब्रेविस ने तूफानी शुरुआत की और अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। गेंदबाज थे ट्रेविस हेड।

वनडे में डेब्यू करते हुए अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले ड्रेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बने। जोहान लॉ ने 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाया था। उन्होंने शाकिब अल हसन पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस ने अपने करियर का आगाज तो बेहद शानदार और यादगार अंदाज में किया, लेकिन वे अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके। ब्रेविस अगली ही गेंद पर आउट हो गए। भारत के लिए ईशान किशन ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू करते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट और टी20 में भी डेब्यू कर चुके हैं। ब्रेविस ने 2 टेस्ट मैचों की 3 पारी में 84 रन बनाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 51 रहा है। वहीं, 10 टी20 मैचों में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 318 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न टी20 सीरीज में ब्रेविस ने विस्फोटक शतक लगाया था। उन्होंने 56 गेंद पर 8 छक्के और 12 चौके लगाते हुए नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। इसके अगले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वनडे सीरीज में जगह दी गई।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

ओमान ने भी नाम वापस लिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका; 29 अगस्त से टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने बताया- मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (क्वास्र) ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।

हॉकी एशिया कप का नया ड्रॉ:एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप जीतने वाली टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेगी। जोकि 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप जीतने वाली टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेगी। जोकि 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप का गौरवशाली इतिहास एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

सिंकफील्ड कप:

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने गुकेश को हराया, जीत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानंद अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सोमवार को पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेला। इस 350,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी आठ राउंड होने बाकी हैं।

कपिल बैंसला ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पलवल के कपिल बैंसला ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 अंक से पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए। इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी। जोनाथन 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 अंक कम थे और तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन जोनाथन की तुलना में आंतरिक

10-रिंग में कम से कम छह शॉट ज्यादा लगाए। इल्खोमबेक फाइनल में सबसे तेज रहे, कपिल लगातार उनका पीछा करते रहे और फिर 15वें शॉट के बाद पहली बार उनसे आगे निकल गए। उज्बेक खिलाड़ी ने 20वें शॉट के बाद बढ़त हासिल कर ली और अंतिम दो में कपिल से पूरे एक अंक आगे थे।

इसके बाद युवा भारतीय खिलाड़ी ने 10.8 और 10.6 अंक हासिल किए जबकि इल्खोमबेक ने 10.4 अंक हासिल करने के बाद 23वें शॉट में 9.4 अंक हासिल किए और कपिल को खिताब दिला दिया। कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर के साथ मिलकर कुल 1723 अंक हासिल करके इस स्पर्धा का टीम रजत पदक जीता। कोरिया ने 1734 अंक के साथ स्वर्ण और मेज़बान कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

सीनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में एकमात्र भारतीय अनमोल जैन 155.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हू काई ने स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन ने इस स्पर्धा में टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी जीता। अनमोल ने आदित्य मालरा और सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 1735 अंकों के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। इस प्रकार भारत ने पहले दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया, जबकि दूसरे दिन मंगलवार को महिला और जूनियर महिला एयर पिस्टल के फ़ाइनल निर्धारित समय पर खेले जाने थे।